website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 256 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 24 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष स्टेशन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हर भारतीय को गौरवान्वित किया- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धि की सराहना की और भविष्य में इस क्षेत्र में बढ़ते स्कोप के बारे में बताया। उन्होंने आज एक वीडियो सन्देश जारी किया। जारी संदेश में भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "अभी तीन दिन पहले ही मेरी ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात हुई। उन्होंने इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर तिरंगा फहराकर हर भारतीय को गर्व से भर दिया। जब वो तिरंगा मुझे दिखा रहे थे, उस पल को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से हुई चर्चा से मैंने नए भारत के युवाओं के असीम हौसले और अनंत सपनों को देखा है। इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए हम भारत का 'एस्ट्रोनॉट पुल' तैयार करने जा रहे हैं। आज नेशनल स्पेस डे के मौके पर मैं भारत के युवाओं से देश के सपनों को उड़ान देने के लिए 'एस्ट्रोनॉट पुल' से जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी इस दिवस की बधाई देते हुए लिखा, "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! अंतरिक्ष में भारत की यात्रा हमारे दृढ़ संकल्प, नवाचार और सीमाओं को आगे बढ़ाने वाले हमारे वैज्ञानिकों की प्रतिभा को दर्शाती है।"

वहीं, अपने वीडियो सन्देश में पीएम मोदी ने स्पेस सेक्टर में भारत की उभरती ताकत के बारे में बताया, और उन्होंने कहा, "अभी भारत ने इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑफ एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स (आईओएए) की मेजबानी भी की। इस प्रतियोगिता में दुनिया के 60 से अधिक देशों से करीब 300 युवाओं ने हिस्सा लिया। इसमें भारत के युवाओं ने मेडल भी जीते, जो ओलंपियाड स्पेस सेक्टर में भारत की उभरती लीडरशिप का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने कहा, "मुझे खुशी है कि युवा साथियों में स्पेस के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए इसरो द्वारा 'भारतीय अंतरिक्ष हैकथॉन और रोबोटिक्स चैलेंज' जैसी पहल भी की है। मैं इन प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लेने वाले छात्रों और विजेताओं को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।"

उन्होंने कहा कि स्पेस सेक्टर में एक के बाद एक माइलस्टोन बनाना भारत और भारत के वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने का इतिहास रचा। हम स्पेस में डॉकिंग और अनडॉकिंग की क्षमता रखने वाले दुनिया के चौथे देश भी बन गए।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक सितंबर की शुरुआत में, दो स्लैब स्ट्रक्चर पर लिया जाएगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3-4 सितंबर को होने वाली है। इस बैठक में मंत्री समूह (जीओएम) द्वारा दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर फैसला होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परिषद की यह बैठक केंद्र द्वारा जीएसटी कराधान व्यवस्था के ढांचे को वर्तमान चार स्लैब से दो स्लैब में बदलने के बड़े पैमाने पर प्रयास के बीच हो रही है।

छह सदस्यीय जीओएम का नेतृत्व करने वाले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अनुसार, "हमने दो स्लैब वाले जीएसटी स्ट्रक्चर की सिफारिश की है और अपनी सिफारिशें जीएसटी परिषद को सौंप दी हैं।"

जीओएम ने सहमति व्यक्त की कि नई व्यवस्था के तहत मौजूदा 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य एक सरल और अधिक पारदर्शी जीएसटी व्यवस्था की ओर बढ़ना है।

देश में वर्तमान में चार स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाला जीएसटी सिस्टम लागू है। साथ ही सिन और लग्जरी गुड्स पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है। नए स्ट्रक्चर के तहत, 'मेरिट' वस्तुओं और सेवाओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जबकि अधिकांश अन्य वस्तुएं (स्टैंडर्ड) 18 प्रतिशत के स्टैंडर्ड रेट अंतर्गत आएंगी। कुछ तथाकथित सिन गुड्स पर 40 प्रतिशत का उच्च कर लागू रहेगा। उदाहरणों में शराब, तंबाकू, ड्रग्स, जुआ, शीतल पेय, फास्ट फूड, कॉफी, चीनी और पोर्नोग्राफी भी शामिल हैं।

सिन टैक्स एक विशेष कर है, जो सरकार द्वारा इस प्रकार की वस्तुओं पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को इनके उपयोग से हतोत्साहित करना और इनसे होने वाले नुकसान को कम करना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले दो दिवसीय मंत्रिसमूह की बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि एक सरलीकृत प्रणाली से आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा, साथ ही जीएसटी को अधिक पारदर्शी और विकासोन्मुखी भी बनाया जा सकेगा। बदलावों के तहत, वर्तमान में 12 प्रतिशत कर श्रेणी में आने वाली लगभग सभी वस्तुएं 5 प्रतिशत के स्लैब में आ जाएंगी।

इसी प्रकार, 28 प्रतिशत कर वाली अधिकांश वस्तुएं 18 प्रतिशत के स्लैब में आ जाएंगी, जिससे केंद्र का मानना है कि अनुपालन में सुधार होगा और जटिलता कम होगी।

मंत्रिसमूह ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने के केंद्र के सुझाव की भी समीक्षा की। इन सिफारिशों पर अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद सितंबर की शुरुआत में अपनी बैठक में लेगी।

संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए डाक सेवाओं का अस्थायी निलंबन

नई दिल्ली (एजेंसी)। डाक विभाग ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा 30 जुलाई, 2025 को जारी कार्यकारी आदेश संख्या 14324 पर संज्ञान लिया है, जिसके तहत 800 अमेरिकी डॉलर तक के मूल्य के सामानों पर शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट 29 अगस्त, 2025 से वापस ले ली जाएगी। परिणामस्वरूप, अमेरिका जाने वाली सभी अंतर्राष्ट्रीय डाक वस्तुएँ, चाहे उनका मूल्य कुछ भी हो, देश-विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ ढाँचे के अनुसार सीमा शुल्क के अधीन होंगी। हालाँकि, 100 अमेरिकी डॉलर तक के मूल्य की उपहार वस्तुएँ शुल्क से मुक्त रहेंगी।

कार्यकारी आदेश के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय डाक नेटवर्क के द्वारा से माल पहुँचाने वाले परिवहन वाहकों, या अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) द्वारा अनुमोदित अन्य "योग्य पक्षों" को डाक शिपमेंट पर शुल्क वसूलना और भेजना महत्व पूर्ण है। हालाँकि सीबीपी ने 15 अगस्त, 2025 को कुछ दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन "योग्य पक्षों" के पदनाम और शुल्क वसूली एवं प्रेषण तंत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाएँ अभी भी अनिर्धारित हैं। परिणामस्वरूप, अमेरिका जाने वाले हवाई वाहकों ने परिचालन और तकनीकी तैयारी की कमी का हवाला देते हुए 25 अगस्त, 2025 के बाद डाक खेप स्वीकार करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, डाक विभाग ने 25 अगस्त, 2025 से अमेरिका जाने वाली सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है, सिवाय उन पत्रों/दस्तावेजों और उपहार वस्तुओं के जिनका मूल्य 100 अमेरिकी डॉलर तक है। इन छूट प्राप्त श्रेणियों को सीबीपी और यूएसपीएस से आगे स्पष्टीकरण मिलने के बाद, अमेरिका में स्वीकार और भेजा जाना जारी रहेगा।

विभाग सभी हितधारकों के साथ समन्वय करके स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है, तथा यथाशीघ्र सेवाओं को सामान्य बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। जिन ग्राहकों ने पहले ही ऐसी सामग्री बुक कर ली है जो इन परिस्थितियों के कारण अमेरिका नहीं भेजी जा सकती, वे डाक शुल्क वापसी की मांग कर सकते हैं। डाक विभाग ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता है और आश्वासन देता है कि अमेरिका के लिए पूर्ण सेवाएँ जल्द से जल्द बहाल करने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने स्वास्थ्य अनुसंधान को मजबूत करने के लिए मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) की मेजबानी में भूटान, नेपाल, श्रीलंका, तिमोर-लेस्ते और भारत के प्रतिनिधि सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय क्षेत्रीय संवाद में शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य स्वास्थ्य अनुसंधान प्रणालियों को मजबूत बनाना और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था, ताकि शोध सीधे नीतियों को दिशा दे, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का समाधान करे और भविष्य के लिए टिकाऊ व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

बैठक में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल, पीएचएफआई के प्रो. डॉ. के. श्रीनाथ रेड्डी, पीएम-ईएसी की सदस्य डॉ. शमिका रवि, दवा विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल, भारत के औषधि महानियंत्रक डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, ANRF के सीईओ डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन, पूर्व स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और पूर्व जैव प्रौद्योगिकी सचिव डॉ. रेनु स्वरूप सहित कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञ मौजूद रहे। ICMR के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने भी सत्रों का संचालन किया।

ICMR महानिदेशक और स्वास्थ्य अनुसंधान सचिव डॉ. राजीव बहल ने इस अवसर पर कहा "वैश्विक साझेदारी और विज्ञान कूटनीति भारत की रणनीति के केंद्र में हैं। दक्षिण-दक्षिण सहयोग के माध्यम से संयुक्त परियोजनाएं और क्षमता निर्माण हमारी प्राथमिकता है, ताकि क्षेत्रीय देशों को एक-दूसरे के अनुभवों से लाभ मिले। सबसे अहम है कि विज्ञान और अनुसंधान का सीधा लाभ जनता तक पहुंचे।"

बैठक में बनी सहमति

क्षेत्रीय सहयोग : एएमआर (Antimicrobial Resistance), एनसीडी (गैर-संचारी रोग) और वन हेल्थ जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने का संकल्प। संसाधन साझा करना : चिकित्सा प्रौद्योगिकी, फील्ड एपिडेमियोलॉजी ट्रेनिंग, नैतिकता और गुणवत्ता आश्वासन जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने का निर्णय। अनुसंधान और नीति सेतु: शोध और नीति संवाद के लिए औपचारिक तंत्र विकसित कर वैज्ञानिक साक्ष्यों को प्रभावी कार्यक्रमों में बदलना। ICMR ने कॉमन एथिक्स रिव्यू फॉर्म और निःशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जैसे संसाधन साझा करने की पेशकश की, ताकि शुरुआती चरण में स्वास्थ्य अनुसंधान प्रणाली विकसित कर रहे देश बिना नई शुरुआत किए इनका लाभ ले सकें।

आगे की दिशा

प्रतिनिधियों ने वार्षिक/अर्धवार्षिक बैठकें, आदान-प्रदान यात्राएं और शोध पद्धति, नैतिकता, ग्रांट लेखन व विज्ञान संचार पर संयुक्त क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति जताई। बैठक का समापन इस सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि अब केवल ज्ञान-साझेदारी नहीं, बल्कि संयुक्त कार्रवाई होगी। विभिन्न देश वन हेल्थ, महामारी तैयारी, संक्रामक और वेक्टर जनित रोग, मातृ स्वास्थ्य और चिकित्सा नवाचार जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व करेंगे, ताकि स्वास्थ्य अनुसंधान सीधे क्षेत्रीय जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा कर सके।

भारत ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा- जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा कुछ ही दिनों में भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने की तैयारी के बीच, विदेश मंत्री (ईएएम) डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि तेल खरीद से कीमतें स्थिर होकर राष्ट्रीय और वैश्विक हित साधते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने उपस्थित लोगों से कहा, "यह हास्यास्पद है कि जो लोग व्यापार-समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लिए काम करते हैं, वे दूसरों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। अगर आपको भारत से तेल या रिफाइंड उत्पाद खरीदने में कोई समस्या है, तो उसे न खरीदें।"

विदेश मंत्री ने कहा, "कोई आपको इसे खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता। यूरोप और अमेरिका खरीदता है, इसलिए अगर आपको यह पसंद नहीं है तो इसे न खरीदें।"

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, 2022 में तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरी चिंता थी। विदेश मंत्री ने कहा, "उस समय कहा गया था कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना चाहता है तो उसे खरीदने दे, क्योंकि इससे कीमतें स्थिर होंगी।"

उन्होंने आगे कहा, "भारत तेल की कीमतों को स्थिर करने के लिए तेल खरीद रहा है। हां, यह हमारे राष्ट्रीय हित में है, लेकिन यह वैश्विक हित में भी है।"

इससे पहले, मॉस्को में एक प्रेस वार्ता के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि अमेरिका से भारत की तेल खरीद लगातार बढ़ रही है और भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार नहीं है।

विदेश मंत्री ने मीडिया से कहा, "वह चीन है। हम एलएनजी के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं; वह यूरोपीय संघ है। हम वह देश नहीं हैं, 2022 के बाद रूस के साथ जिसके व्यापार में सबसे बड़ा उछाल आया। मुझे लगता है कि वे दक्षिण में कुछ देश हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "हम एक ऐसा देश हैं, जहां अमेरिकी पिछले कुछ वर्षों से कह रहे हैं कि हमें विश्व ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है।" विदेश मंत्री जयशंकर ने मीडिया को बताया, "संयोग से, हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं और यह मात्रा बढ़ी है।"

चमोली में बादल फटने से भारी तबाही, आईटीबीपी ने संभाला मोर्चा

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली तहसील क्षेत्र में अचानक बादल फटने से भारी तबाही मच गई। इस आपदा से कई मकान, दुकानें, तहसील परिसर और उपजिलाधिकारी (एसडीएम) का सरकारी आवास पानी और मलबे से भर गए। तेज बहाव और मलबे की चपेट में आने से इलाके का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बताया जा रहा है कि सगवाड़ा गांव में कम से कम दो लोग लापता हैं, जबकि एक अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है। कई सड़कें बंद हो चुकी हैं, जिससे थराली और आसपास के गांवों से संपर्क टूट गया है और राहत पहुंचाना मुश्किल हो गया है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत अभियान शुरू किया। गोचर स्थित आठवीं बटालियन से एक प्लाटून बल सुबह 08:30 बजे रवाना हुआ और लगभग 10:30 बजे थराली पहुंच गया। मौके पर पहुंचते ही जवानों ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। आईटीबीपी की टीम ने प्रभावित गांवों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक मदद पहुंचाने का कार्य किया। इसके साथ ही चेपड़ा गांव में एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष सर्च ऑपरेशन भी जारी है।

इस अभियान में आईटीबीपी स्थानीय प्रशासन, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और पुलिस के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य कर रही है। जवान मलबा हटाने, प्रभावित परिवारों को सुरक्षित निकालने और जरूरी सहयोग उपलब्ध कराने में सक्रिय हैं।

आईटीबीपी देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ हर प्राकृतिक आपदा में भी देशवासियों के साथ खड़ी है। बल ने अपने ध्येय वाक्य "शौर्य – दृढ़ता – कर्मनिष्ठा" को दोहराते हुए भरोसा दिलाया है कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

वहीं, चमोली के एडीएम विवेक प्रकाश ने बताया कि थराली में बादल फटने की घटना के कारण काफी नुकसान हुआ है। मलबे की चपेट में आने से कविता नाम की महिला के दबने का पता चला है, जबकि एक व्यक्ति के लापता होने की जानकारी मिली है। घटना की जानकारी मिलते ही हमारी टीमें प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

फिजी के प्रधानमंत्री राबुका 24 से 26 अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी लिगामामाडा राबुका 24 से 26 अगस्त तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ उनकी पत्नी सुलुएती राबुका भी होंगी। उनके साथ आने वाले प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री रातू अटोनियो लालबालावु और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। फिजी के प्रधानमंत्री की यात्रा भारत और फिजी के बीच दीर्घकालिक और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने 21 अगस्त को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री राबुका की यह पहली भारत यात्रा होगी। अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान, वह 25 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अतिथि के सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने मई 2023 में फिजी की अपनी यात्रा के दौरान पोर्ट मोरेस्बी में राबुका से मुलाकात की थी। फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली कातोनिवेरे की ओर से प्रधानमंत्री राबुका ने प्रधानमंत्री मोदी को फिजी गणराज्य के सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी (सीएफ) से सम्मानित किया था।

प्रधानमंत्री राबुका का नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति मुर्मु ने अगस्त 2024 में फिजी का दौरा किया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री राबुका द्वारा नई दिल्ली स्थित भारतीय विश्व मामलों की परिषद (आईसीडब्ल्यूए) में 'शांति महासागर' विषय पर व्याख्यान देने की उम्मीद है। फिजी के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों को और गहरा करने के लिए दोनों देशों की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

भारतीय नौसेना का जहाज कदमत्त सुराबाया बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस कदमत्त ने इंडोनेशिया के सुरबाया में तीन दिवसीय बंदरगाह प्रवास सफलतापूर्वक पूरा किया। यह एक स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। इसके प्रवास से भारतीय नौसेना और इंडोनेशिया की नौसेना (टीएनआई एएल) के बीच मैत्री, विश्वास एवं आपसी सहभागिता को विस्तार मिला है।

यात्रा के दौरान, समुद्री सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाने के लिए व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रमुख गतिविधियों में कार्यात्मक संवाद और क्रॉस-डेक दौरे शामिल थे - जिससे दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच परिचालन तालमेल को बढ़ावा मिला है।

चालक दल ने जहाज पर संयुक्त योग सत्र और टीएनआई एएल कर्मियों के साथ एक मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच में भी भाग लिया, जिससे सौहार्द व सहयोग की साझा भावना प्रदर्शित हुई।

इस जहाज ने सामुदायिक पहुंच के एक भाग के रूप में इंडोनेशिया में रहने वाले भारतीय प्रवासियों का स्वागत किया, उन्हें जहाज पर आने और चालक दल के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व के साथ शिष्टाचार भेंट ने क्षेत्र में सुरक्षित एवं स्थिर समुद्री क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में मिलकर काम करने की दोनों देशों की प्रतिबद्धता पर और अधिक बल दिया।

आईएनएस कदमत्त की यात्रा ने इस क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के रूप में भारतीय नौसेना की भूमिका की पुष्टि की और 'समुद्र पार साझेदारी' के साझा दृष्टिकोण के तहत भारत तथा इंडोनेशिया के बीच दीर्घकालिक समुद्री साझेदारी को सशक्त किया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सभ्यता के मूल उद्देश्य से दूर ले जाते युद्ध के मैदान

इंसानी सभ्यता का उद्देश्य हमेशा शांति, तरक़्क़ी और इंसानियत की हिफ़ाज़त रहा है, लेकिन आज की दुनिया का सच इससे बिल्कुल उलट दिखाई देता है। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जारी जंग इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इजरायल ने गाज़ा शहर पर कब्ज़ा करने के लिए सैन्य अभियान का पहला चरण शुरू कर दिया है। योजनाबद्ध जमीनी हमले हो रहे हैं और इनके बीच बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी अपने घर-बार छोड़कर पलायन करने को मजबूर हैं। बच्चे, औरतें और बुज़ुर्ग अपने ही शहर में अजनबी हो गए हैं। यह संघर्ष अब सिर्फ दो पक्षों के बीच की लड़ाई नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक राजनीति और महाशक्तियों की सियासी चालों का केंद्र बन चुका है। गाज़ा की सड़कों पर बारूद की गंध और बच्चों की चीखें दुनिया की आंखों के सामने हैं, लेकिन चुप्पी सब पर भारी है। हजारों निर्दोष लोग मारे जा चुके हैं, लाखों अपने घरों से बेघर होकर शिविरों में जिंदगी गुज़ारने पर मजबूर हैं। यह सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि टूटते हुए सपने और बिखरती हुई पीढ़ियों की उम्मीदें हैं। जब बमों की गूंज में स्कूल और अस्पताल ध्वस्त हो रहे हों, तो सभ्यता और इंसानियत की बुनियाद पर सवाल खड़े होते हैं। आज की वैश्विक राजनीति ताक़त और हितों के समीकरण पर टिकी है। दुनिया में शक्ति-संतुलन का गणित 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत को सच करता दिख रहा है। ताक़तवर देशों के साथ खड़े रहना और उनके समर्थन में बोलना ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा का पैमाना बन गया है। यहां तक कि जो देश शांति की बात करते हैं, वही किसी न किसी पक्ष को हथियार, पैसा और कूटनीतिक सुरक्षा देने में लगे रहते हैं। इस विरोधाभास ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य को गहरे संकट में डाल दिया है। इजरायल-फिलिस्तीन का संघर्ष नया नहीं है। यह दशकों पुराना ज़ख़्म है, जो बार-बार कुरेदा जाता है। हर बार युद्धविराम की बातें होती हैं, समझौते के प्रयास किए जाते हैं, लेकिन अंत में हालात वहीं पहुंच जाते हैं जहां से शुरू हुए थे। असल सवाल अब यह नहीं रह गया कि गलती किसकी है या किसका दावा सही है। असल मुद्दा यह है कि इस युद्ध ने इंसानियत को सबसे बड़ी कीमत चुकाने पर मजबूर कर दिया है। गाज़ा में जब बम बरसते हैं तो सिर्फ इमारतें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरी सभ्यता की आत्मा घायल होती है। एक तरफ़ महाशक्तियां सामरिक गठबंधनों और ऊर्जा-संसाधनों की राजनीति में उलझी हैं, दूसरी तरफ़ वहां का आम इंसान अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी के लिए तरस रहा है। पीने का पानी, दवा और खाने की रोटी तक वहां संकट बन चुके हैं। यह दृश्य हमें बताता है कि विकास और प्रगति की बातें करने वाली आधुनिक सभ्यता कितनी खोखली साबित हो रही है। इस युद्ध ने यह भी साबित कर दिया है कि ताक़तवर राष्ट्र खुद को 'शांति के संरक्षक' बताने का दावा तो करते हैं, लेकिन उनके लिए शांति महज़ एक रणनीतिक औजार है। जो देश युद्ध में आहुति देते हैं, वही बाद में शांति के नोबेल के हकदार बनकर सामने आते हैं।

मानव विवश: एआई मॉडल्स, डिजिटल फुटप्रिंट और मानसिक नियंत्रण की ओर बढ़ता खतरा

-मानसिक नियंत्रण की ओर बढ़ता एआई

21वीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति अगर किसी क्षेत्र में हुई है, तो वह है कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI)। आज एआई केवल एक सॉफ्टवेयर टूल भर नहीं रहा, बल्कि यह हमारे सोचने, समझने, निर्णय लेने और व्यवहार करने की क्षमता को गहराई तक प्रभावित कर रहा है। जिस एआई को इंसान ने अपने काम को सरल और तेज़ बनाने के लिए गढ़ा था, वही अब इतना जटिल और शक्तिशाली हो चला है कि उसके निर्माताओं को भी उसके परिणामों को लेकर डर सता रहा है। चिंता की बात यह है कि एआई मॉडल्स हमारे डिजिटल फुटप्रिंट—यानी इंटरनेट पर छोड़े गए हमारे हर निशान, हर सर्च, हर क्लिक, हर पसंद-नापसंद और हर चैटिंग व्यवहार—को सूक्ष्मता से समझकर उसी अनुरूप कंटेंट परोसने लगे हैं। यह सुविधा दिखने में आसान और आकर्षक लगती है, लेकिन इसके अंदर छिपा है मानसिक नियंत्रण का खतरा।

आज यह सवाल बड़ा प्रासंगिक है कि –

क्या इंसान एआई के सामने विवश हो चुका है?

क्या डिजिटल दखल अब मानसिक नियंत्रण की हद तक पहुँच गया है? क्या इंसान अपने ही बनाए "सुपर इंटेलिजेंट" मशीनों के सामने बौना और बेकार साबित होगा?

एआई का विकास: कल्पना से हकीकत तक

एआई की शुरुआत महज़ एक अकादमिक प्रयोग के रूप में हुई थी। 1950 के दशक में एलन ट्यूरिंग ने सवाल उठाया था – क्या मशीनें सोच सकती हैं? उसी सवाल से एआई की यात्रा शुरू हुई। धीरे-धीरे मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स और डीप लर्निंग ने मिलकर एआई को आज उस मुकाम पर पहुँचा दिया है जहाँ यह इंसान के तर्क और निर्णय क्षमता की बराबरी करने लगा है। आज जनरेटिव एआई मॉडल्स जैसे चैटजीपीटी, बार्ड, जेमिनी, मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूज़न, कोपायलट आदि न केवल इंसानी भाषा समझते हैं बल्कि नई सामग्री गढ़ भी रहे हैं। लेकिन यह गढ़ना सिर्फ भाषा तक सीमित नहीं रहा—अब यह कला, संगीत, डिजाइन, विज्ञान और यहां तक कि युद्धनीति तक में सक्रिय भूमिका निभाने लगे हैं। यही वह मोड़ है जहाँ एआई मानव पर हावी होता नजर आता है।

डिजिटल फुटप्रिंट: इंसानी निजता का नक्शा

हर बार जब हम गूगल पर कोई सवाल लिखते हैं, यूट्यूब पर कोई वीडियो देखते हैं, इंस्टाग्राम पर कोई फोटो लाइक करते हैं या किसी वेबसाइट को स्क्रॉल करते हैं—तो हम एक डिजिटल फुटप्रिंट छोड़ते हैं। एआई इन फुटप्रिंट्स को डेटा पॉइंट्स में बदलकर हमारे दिमाग़ और आदतों का नक्शा खींचता है। यह हमारे खाने-पीने की पसंद जान लेता है। यह हमारी राजनीतिक सोच को भांप लेता है। यह हमारे धार्मिक झुकाव तक का अनुमान लगा सकता है। यह हमारे खरीदारी व्यवहार की भविष्यवाणी करता है। यानी हम इंटरनेट पर जितना ज्यादा सक्रिय रहते हैं, उतना ही ज्यादा हमारा मनोवैज्ञानिक एक्स-रे एआई के पास पहुँचता रहता है। यही वजह है कि फेसबुक या गूगल का एल्गोरिद्म हमें वही कंटेंट दिखाता है जिसकी ओर हमारा झुकाव है। धीरे-धीरे यही फ़िल्टर बबल (Filter Bubble) हमें अलग-अलग वैचारिक खाँचों में बाँट देता है।

एआई और मानसिक नियंत्रण की शुरुआत

डिजिटल एल्गोरिद्म का लक्ष्य सरल है—हमें वही दिखाओ, जिससे हम ज़्यादा देर तक जुड़े रहें। लेकिन यही सरल रणनीति धीरे-धीरे मानसिक नियंत्रण में बदल रही है। उदाहरण के लिए, अगर कोई शख्स लगातार राजनीतिक विवादित वीडियो देखता है, तो एआई उसे उसी तरह के और वीडियो सुझाता है। परिणामस्वरूप उसकी सोच एक ही दिशा में सिमटने लगती है। बच्चों के मामले में—गेमिंग या कार्टून एआई एल्गोरिद्म उन्हें डोपामिन लूप में फँसा देते हैं। बच्चे बार-बार स्क्रीन की ओर खिंचते हैं। विज्ञापन उद्योग तो पूरी तरह इसी पर निर्भर हो गया है। एआई हमें वही प्रोडक्ट दिखाता है, जिसके लिए हमारे अंदर पहले से झुकाव पैदा कर दिया गया हो। धीरे-धीरे इंसान का स्वतंत्र निर्णय—क्या देखना है, क्या खरीदना है, किससे बात करनी है, किस विचारधारा का समर्थन करना है—सब एआई के अनदेखे अदृश्य हाथ में आ जाता है।

एआई मॉडल्स की जटिलता: कूटभाषा और 'चेन ऑफ थॉट'

एआई मॉडल्स अब उस स्तर पर पहुँच चुके हैं जहाँ वे केवल हमारे आदेश का पालन नहीं करते बल्कि अपनी आंतरिक भाषा और सोच की श्रृंखला (Chain of Thought) विकसित कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह "गिबर लिंक मोड" या "कूटभाषा" ऐसी है जिसे एआई खुद आपस में प्रयोग करता है, और इंसान उसे पूरी तरह समझने में असमर्थ है। इसका खतरा यह है कि – मशीनें अपने बीच ऐसा संवाद कर सकती हैं जिसका अर्थ इंसान कभी न जान पाए। एआई निर्णय लेने में स्वायत्त होता जा रहा है। अगर यह स्वायत्तता किसी बुरे इरादे या गलत डेटा पर आधारित हो गई, तो परिणाम विनाशकारी होंगे।

सुपर इंटेलिजेंस का साया

आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (AGI) और आर्टिफिशियल सुपर इंटेलिजेंस (ASI)—ये दोनों शब्द अब केवल रिसर्च पेपर्स तक सीमित नहीं हैं। बड़े-बड़े टेक सीईओ मान चुके हैं कि एआई बहुत जल्द इंसानी बुद्धि से आगे निकल जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने स्वयं स्वीकार किया कि उनके नवीनतम मॉडल चैटजीपीटी-5 की क्षमता इतनी भयावह है कि उन्होंने उसकी तुलना मैनहट्टन प्रोजेक्ट (परमाणु बम निर्माण) से कर दी। यानी एआई अब ऐसा औज़ार बन गया है जो या तो मानव सभ्यता को नई ऊँचाइयाँ देगा या फिर उसका अस्तित्व संकट में डाल देगा।

एआई से होने वाले फायदे (The Bright Side)

हम केवल डर की बात करें तो तस्वीर अधूरी होगी। एआई ने जीवन को कई मायनों में सरल और समृद्ध बनाया है। स्वास्थ्य क्षेत्र: बीमारियों की सटीक पहचान, नई दवाओं की खोज, सर्जरी में रोबोटिक सहयोग। शिक्षा क्षेत्र: बच्चों के लिए व्यक्तिगत लर्निंग, ऑटोमेटेड ट्यूटोरिंग। विज्ञान व अंतरिक्ष: अंतरिक्ष अन्वेषण में तेज़ गणना और डेटा विश्लेषण। व्यवसाय: समय बचाने वाले टूल्स, लागत घटाने वाले समाधान। दैनिक जीवन: एआई असिस्टेंट, ट्रांसलेशन, स्मार्ट होम सिस्टम। लेकिन यही फायदे तब तक सुरक्षित हैं जब तक इंसान के पास नियंत्रण है।

एआई से खतरे (The Dark Side)

निजता का हनन – डिजिटल फुटप्रिंट के जरिए निजी जीवन पूरी तरह कंपनियों के हाथ में। मानसिक नियंत्रण – एल्गोरिद्म हमारी सोच और निर्णय को दिशा दे रहे हैं। रोज़गार का संकट – लाखों नौकरियाँ स्वचालित हो रही हैं। हथियारकरण (Weaponization) – एआई से लैस ड्रोन, साइबर अटैक और युद्ध रणनीतियाँ। झूठी खबरें और डीपफेक – समाज को अस्थिर करने वाले हथियार बन चुके हैं। स्वायत्त मशीनें – जो इंसानी आदेश की बजाय अपने खुद के निर्णय लें।

क्या इंसान एआई के आगे विवश है?

आज इंसान जिस 'कंफर्ट ज़ोन' में है, वह एआई पर अत्यधिक निर्भरता से बना है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हर काम में कहीं न कहीं एआई मौजूद है। अगर एआई बंद हो जाए तो हमारी बैंकिंग व्यवस्था ठप पड़ सकती है। हमारे सप्लाई चेन रुक सकते हैं। हमारी सूचना प्रणाली अराजक हो सकती है। यह निर्भरता ही हमें विवश बनाती है। और जब यही निर्भरता मानसिक नियंत्रण का रूप ले लेती है, तो हम बेबस होकर वही सोचते और करते हैं जो एल्गोरिद्म हमें करवाना चाहता है।

समाधान और भविष्य की दिशा

नियमन (Regulation) – सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एआई के उपयोग की सीमा तय करनी होगी। पारदर्शिता (Transparency) – कंपनियों को बताना चाहिए कि उनके एआई मॉडल किस तरह डेटा प्रोसेस करते हैं। नैतिकता (Ethics) – एआई डेवलपर्स को मानवीय नैतिक मूल्यों का पालन करना चाहिए। डिजिटल साक्षरता – आम लोगों को यह समझना ज़रूरी है कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं। मानव-एआई सहयोग – एआई को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी बनाकर इस्तेमाल करना चाहिए।

बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम निर्धारित करने की दरकार

-डिजिटल युग और किशोरों की नींद पर असर

मनुष्य को जीवन जीने के लिए जिस तरह भोजन, कपड़ा और मकान की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए पर्याप्त नींद भी जरूरी है। नींद केवल आराम का साधन नहीं बल्कि मस्तिष्क और शरीर दोनों को पुनः ऊर्जावान करने की प्रक्रिया है। आधुनिक दौर में यह सबसे उपेक्षित स्वास्थ्य आदत बन चुकी है। खासतौर पर किशोर अवस्था (Teenage) में, जब बच्चों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास तेजी से हो रहा होता है, नींद की कमी एक साइलेंट चुनौती बनकर सामने आ रही है। डिजिटल युग के "नेटिव्स" यानी जेनरेशन ज़ी (Gen Z) के बच्चे नींद की अहमियत को गंभीरता से नहीं लेते। देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप, गेमिंग कंसोल या सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना उनकी आदत बन गई है। सुबह देर से उठना, स्कूल/कॉलेज में उनींदापन और याददाश्त में कमी उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी है।

डिजिटल युग और किशोरों की नींद

आज की पीढ़ी किसी भी प्रश्न या समस्या का समाधान माता-पिता, शिक्षकों या किताबों में ढूँढने के बजाय गूगल और यूट्यूब से लेती है। डिजिटल दुनिया की यह निर्भरता रात की नींद छीन ले रही है। ऑनलाइन क्लास, असाइनमेंट, सोशल मीडिया पर सक्रियता और गेमिंग—ये सभी कारण किशोरों को देर रात तक जगाए रखते हैं। परिणामस्वरूप, 12 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में औसतन 6–6.5 घंटे की नींद रह जाती है, जबकि चिकित्सकीय मानकों के अनुसार उन्हें कम से कम 8–9 घंटे की नींद मिलनी चाहिए।

शोध और वैज्ञानिक प्रमाण

हाल ही में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र और गंगाराम अस्पताल द्वारा किए गए एक संयुक्त शोध में पाया गया कि – जो बच्चे नए शब्द सीखने के तुरंत बाद झपकी (Nap) लेते हैं, उनकी याददाश्त अधिक मजबूत होती है। नींद के अभाव में बच्चों की एकाग्रता (Concentration) घट जाती है। अपर्याप्त नींद से इमोशनल डिसऑर्डर, तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है। लंबे समय तक नींद की कमी से डिप्रेशन और एंग्ज़ायटी की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि नींद केवल शारीरिक आराम ही नहीं देती, बल्कि यह सीखने की प्रक्रिया (Learning Process) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

शारीरिक स्वास्थ्य पर असर, नींद की कमी से हार्मोनल असंतुलन होता है। बच्चों की ऊँचाई और विकास पर बुरा असर पड़ता है। इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, जिससे वे जल्दी बीमार पड़ते हैं। मोटापा और डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

तनाव और एंग्ज़ायटी बढ़ जाती है। स्मृति (Memory Power) कमजोर होती है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। लगातार नींद की कमी से डिप्रेशन का खतरा बढ़ता है।

नींद और शिक्षा का गहरा संबंध

किशोर अवस्था में बच्चे अपने जीवन की सबसे संवेदनशील शैक्षणिक यात्रा से गुजरते हैं। नींद का अभाव सीधे तौर पर पढ़ाई, याददाश्त और क्रिएटिविटी को प्रभावित करता है। पर्याप्त नींद लेने वाले बच्चे कक्षा में अधिक सक्रिय रहते हैं। वे विषयों को जल्दी समझते और लंबे समय तक याद रखते हैं। नींद की कमी से परीक्षा परिणामों पर नकारात्मक असर पड़ता है। यह भी देखा गया है कि जिन बच्चों को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, वे ड्रग्स और नशे की लत की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं।

पाठ्यक्रम में बदलाव की दरकार

भारत का वर्तमान शिक्षा पाठ्यक्रम छात्रों पर अत्यधिक अकादमिक बोझ डालता है। लंबे अध्ययन घंटे, कोचिंग, ऑनलाइन असाइनमेंट और अतिरिक्त गतिविधियाँ बच्चों से उनकी नींद छीन लेती हैं। जरूरत है कि शिक्षा नीति और पाठ्यक्रम में नींद और स्वास्थ्य संतुलन को ध्यान में रखते हुए बदलाव किए जाएं।

स्कूल टाइमिंग में बदलाव

किशोरों के लिए स्कूल सुबह बहुत जल्दी शुरू न हो। वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि किशोरों का जैविक घड़ी (Biological Clock) देर से सक्रिय होता है, इसलिए 8:30 या 9 बजे के बाद कक्षाएँ शुरू हों।

स्वास्थ्य शिक्षा का समावेश

पाठ्यक्रम में नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष अध्याय शामिल हों। बच्चों को नींद की अहमियत सिखाई जाए।

डिजिटल डिटॉक्स की शिक्षा स्कूल और कॉलेजों में "डिजिटल साक्षरता" (Digital Literacy) पढ़ाई जाए। बच्चों को बताया जाए कि रात को देर तक स्क्रीन यूज़ करना नींद और स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक है। होमवर्क और असाइनमेंट पर नियंत्रण, छात्रों पर इतना अकादमिक दबाव न हो कि उनकी नींद छिन जाए। ज़रूरी है कि होमवर्क का भार सीमित किया जाए।

माता-पिता और समाज की भूमिका

नींद की समस्या केवल शिक्षा व्यवस्था की वजह से नहीं है, बल्कि घर और समाज भी इसमें बराबर जिम्मेदार हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के लिए सोने-जागने का नियमित रूटीन बनाएं। परिवार को रात का खाना समय पर देना चाहिए ताकि बच्चे जल्दी सो सकें। बच्चों को सोने से पहले मोबाइल और टीवी से दूर रखना चाहिए। सोने से पहले किताब पढ़ने, ध्यान (Meditation) या हल्की बातचीत की आदत डालनी चाहिए।

डिजिटल युग में समाधान

Screen Time Control Apps का इस्तेमाल करके बच्चों के मोबाइल पर रात के समय इंटरनेट या सोशल मीडिया को ब्लॉक किया जा सकता है। सोने से पहले ब्लू लाइट फिल्टर का प्रयोग किया जाए। स्कूल और कॉलेजों को "No Gadget Zone" नीति लागू करनी चाहिए। बच्चों को खेल-कूद और आउटडोर गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि उनका शरीर थके और वे जल्दी सोएं।

शिक्षा नीति और नींद

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) ने बच्चों की मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर जोर दिया है, लेकिन इसमें नींद को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश अभी भी नदारद हैं। आवश्यकता है कि – शिक्षा मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय मिलकर "Sleep Guidelines for Students" जारी करें। स्कूलों में काउंसलिंग सेशन हों, जहाँ बच्चों को नींद के महत्व के बारे में बताया जाए। शिक्षकों को भी इस विषय पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

हकीम अजमल खान: मशहूर यूनानी हकीम, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापक और आज़ादी के सच्चे सिपाही

हकीम अजमल खान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, शिक्षा सुधार और चिकित्सकीय क्षेत्र की उन महान हस्तियों में से एक थे जिनका नाम हमेशा इतिहास में अमर रहेगा। वे न केवल एक मशहूर यूनानी हकीम थे बल्कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों में से भी थे। साथ ही उन्होंने खिलाफ़त आंदोलन और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में सक्रिय भूमिका निभाकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। इस लेख में हम विस्तार से हकीम अजमल खान के जीवन, उनके चिकित्सा योगदान, सामाजिक और राजनीतिक कार्यों तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भागीदारी को समझेंगे।

प्रारंभिक जीवन और पारिवारिक पृष्ठभूमि

हकीम अजमल खान का जन्म 11 फरवरी 1868 को दिल्ली के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। यह परिवार यूनानी चिकित्साशास्त्र (Unani Medicine) में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध था। उनके पूर्वज मुग़ल काल से ही शाही चिकित्सक रहे थे। अजमल खान के पिता हकीम शरीफ खान और दादा हकीम महमूद खान भी उस दौर के बड़े नामी चिकित्सक थे। इस वजह से अजमल खान बचपन से ही यूनानी तिब्ब (चिकित्सा) और पारंपरिक इल्म की विरासत में डूबे हुए थे। उन्हें घर पर ही अरबी, फ़ारसी, उर्दू और संस्कृत की तालीम मिली। आगे चलकर उन्होंने कुरान, हदीस और इस्लामी अध्ययन के साथ-साथ ग्रीक-रोमन चिकित्साशास्त्र का गहन अध्ययन किया।

चिकित्सक के रूप में योगदान

हकीम अजमल खान ने अपने दौर में यूनानी चिकित्सा को नई पहचान दी। यूनानी चिकित्सा के सुधारक – उन्होंने परंपरागत तरीकों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने की कोशिश की। वे चाहते थे कि यूनानी तिब्ब केवल परंपरा तक सीमित न रहे बल्कि वैज्ञानिक शोध और प्रयोगों से आगे बढ़े। दिल्ली तिब्बिया कॉलेज – उन्होंने 1916 में "तिब्बिया कॉलेज" (आधिकारिक नाम: दिल्ली तिब्बिया कॉलेज) की स्थापना की। यह संस्था यूनानी तिब्ब के विकास और आधुनिक प्रयोगों के लिए समर्पित थी। आज यह आयुर्वेद और यूनानी तिब्बिया कॉलेज के नाम से जाना जाता है। मरीजों की सेवा – अजमल खान का बड़ा हिस्सा गरीबों और मजबूरों के इलाज में गुजरता था। वे मुफ़्त इलाज करते और अक्सर दवाइयां भी अपनी जेब से देते। तिब्बी इल्म पर किताबें – उन्होंने यूनानी दवाओं और चिकित्सा प्रणाली पर कई किताबें लिखीं, जिनसे आगे आने वाली पीढ़ियों को फायदा मिला। इस तरह वे न केवल एक डॉक्टर थे बल्कि यूनानी चिकित्सा के पुनर्जागरणकर्ता भी थे।

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

हकीम अजमल खान का मानना था कि मुल्क की आज़ादी और तरक्की का रास्ता शिक्षा से होकर जाता है। उन्होंने शिक्षा सुधार के लिए कई अहम कदम उठाए। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापक – 1920 में जब खिलाफ़त आंदोलन और असहयोग आंदोलन अपने शिखर पर थे, तब हकीम अजमल खान ने महात्मा गांधी, डॉ. मुख्तार अहमद अंसारी और मौलाना मोहम्मद अली के साथ मिलकर जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की। इसका उद्देश्य अंग्रेज़ी शिक्षा व्यवस्था के विकल्प के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को खड़ा करना था। जामिया के पहले कुलपति – अजमल खान जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पहले चांसलर बने। उन्होंने आर्थिक कठिनाइयों और अंग्रेज़ी दबाव के बावजूद इस संस्थान को आगे बढ़ाया। राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन – उनका मानना था कि भारतीयों को अपनी संस्कृति और भाषा में शिक्षा लेनी चाहिए। इसीलिए उन्होंने उर्दू को शिक्षा का माध्यम बनाने की वकालत की।

राजनीतिक जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन

हकीम अजमल खान न सिर्फ चिकित्सक और शिक्षा-प्रेमी थे बल्कि राजनीति और आज़ादी के आंदोलन में भी उनका गहरा दख़ल था। खिलाफ़त आंदोलन के नेता – 1919 के बाद जब खिलाफ़त आंदोलन शुरू हुआ तो अजमल खान उसकी अगली पंक्ति में थे। उनका मानना था कि यह आंदोलन न सिर्फ धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है बल्कि भारत की आज़ादी से भी सीधा रिश्ता रखता है। महात्मा गांधी के सहयोगी – वे गांधीजी के नज़दीकी सहयोगियों में से थे। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने गांधीजी के विचारों का समर्थन किया और जनता को आंदोलन से जोड़ा। कांग्रेस के बड़े नेता – वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भी सक्रिय रहे। 1921 में वे कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उस समय यह बड़ी बात थी कि एक यूनानी हकीम और शिक्षा-विद एक राष्ट्रीय पार्टी का नेतृत्व कर रहा है। हिन्दू-मुस्लिम एकता के पैरोकार – अजमल खान हमेशा इस बात पर ज़ोर देते थे कि भारत की आज़ादी हिन्दू-मुस्लिम एकता से ही संभव है। उन्होंने बार-बार कहा कि अंग्रेज़ों की "फूट डालो और राज करो" की नीति को नाकाम करना ज़रूरी है।

सामाजिक सुधार और विचार

अजमल खान केवल राजनीति और शिक्षा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि समाज सुधार में भी उनका बड़ा योगदान था। वे पर्दा प्रथा और महिलाओं की शिक्षा के पक्षधर थे। उनका कहना था कि समाज तभी तरक्की करेगा जब औरतें तालीम हासिल करेंगी। वे शराबबंदी और सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए अभियान चलाते थे। उन्होंने हमेशा भाईचारे, इंसानियत और बराबरी की बातें कीं।

गांधीजी और अजमल खान का रिश्ता

गांधीजी, मौलाना आज़ाद, डॉ. अंसारी और हकीम अजमल खान—यह चौकड़ी भारतीय राजनीति और समाज सुधार में बेहद असरदार थी। गांधीजी, अजमल खान को "दिल्ली का गांधी" कहते थे। जामिया मिल्लिया इस्लामिया को बचाने और आगे बढ़ाने में गांधीजी और अजमल खान दोनों का बराबर हाथ था। अजमल खान ने अपने जीवन की आखिरी सांस तक जामिया की तरक्की को प्राथमिकता दी।

अंतिम जीवन और निधन

हकीम अजमल खान ने अपने जीवन के आखिरी दिनों तक आज़ादी और शिक्षा की सेवा जारी रखी। लगातार काम और खराब सेहत के बावजूद वे थकते नहीं थे। 29 दिसंबर 1927 को दिल्ली में उनका इंतक़ाल हो गया। उस समय उनकी उम्र केवल 59 साल थी। उनके निधन से स्वतंत्रता आंदोलन को बड़ा झटका लगा। गांधीजी ने कहा था कि – "हकीम अजमल खान की मौत मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वे हिंदुस्तान के सच्चे सपूत थे।"

हकीम अजमल खान की विरासत

चिकित्सा जगत में – यूनानी तिब्ब को आधुनिक स्वरूप देने का श्रेय उन्हें जाता है। दिल्ली का आयुर्वेद और यूनानी तिब्बिया कॉलेज उनकी ही देन है। शिक्षा जगत में – जामिया मिल्लिया इस्लामिया आज एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी है, जो अजमल खान की दूरदर्शिता का नतीजा है। राजनीति और आज़ादी में – कांग्रेस अध्यक्ष, खिलाफ़त नेता और गांधी सहयोगी के रूप में उनका योगदान अमूल्य है। सामाजिक सुधारक – उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम एकता और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाकर एक नई राह दिखाई। हकीम अजमल खान का जीवन बहुआयामी था।

ई-साइकिल वितरण समारोह, बेटियों की मुस्कान ही हमारी ताकत, महिला शक्ति के उत्थान के लिए राज्य सरकार तत्पर - भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री ने बालिकाओं एवं कामकाजी महिलाओं को वितरित की ई-साइकिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण और महिला उत्थान को प्राथमिकता मानते हुए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बेटियों की मुस्कान ही हमारी ताकत है तथा हम प्रदेश की महिला शक्ति के उत्थान के लिए तत्पर हैं। महिलाओं एवं बेटियों के शिक्षित और सशक्त होने से ही देश और समाज सशक्त होगा।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बालिकाओं को ई-साइकिल वितरण समारोह के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि माताएं-बहनें हमारी संस्कृति एवं संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। मातृशक्ति समाज एवं परिवार में बच्चों के पालन से लेकर बुजुर्गों की सेवा तक विभिन्न भूमिकाओं का बखूबी निर्वहन करती हैं।

बेटियों ने कहा: ई-साइकिल से बढ़ेगा आत्मविश्वास, पढ़ाई होगी आसान

मुख्यमंत्री ने बालिकाओं से आत्मीयता से संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को पूरा किया। छात्रा सीमा यादव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ई-साइकिल से सपनों को नई उड़ान मिलेगी। वहीं, छात्रा अभिनीति ने कहा कि ई-साइकिल से आवागमन में होने वाली पैसे की बचत से वह कम्प्यूटर की पढ़ाई कर सकेंगी। इसी तरह, छात्रा विनीता गोठवाल के साइकिल चलाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से कहा कि उनके छात्र जीवन में स्कूल जाने के लिए वे साइकिल का उपयोग करते थे।

राज्य सरकार का प्रयास- कोई भी बेटी शिक्षा से नहीं रहे वंचित

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का मूलमंत्र देकर लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में राज्य सरकार का प्रयास है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य सरकार द्वारा गार्गी पुरस्कार योजना के तहत 3.90 लाख बालिकाओं एवं बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत लगभग 2 लाख बालिकाओं को प्रोत्साहन दिया गया है। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवारों को बालिकाओं के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये का सेविंग बॉन्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक विभिन्न योजनाओं में लगभग 11 लाख से अधिक छात्राओं को साइकिल प्रदान की है।

राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कर रही प्रयास

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में चार लाख सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख नौकरियों के संकल्प को पूरा करेगी।

'फिट इंडिया से शिक्षा तक ई-साइकिल से होगा सशक्तीकरण'

संवाद के दौरान निजी क्षेत्र में कार्यरत लाभार्थी आशा ने मुख्यमंत्री से कहा कि ई-साइकिल के मिलने से उनको आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा समय व पैसे की बचत होगी और वह फिट इंडिया मुहिम का हिस्सा भी बन सकेंगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाली छात्रा रितिका ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भर्ती परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी करने से बेहतर तैयारी हो पा रही है तथा पेपरलीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि उनके पिता विशेष योग्यजन हैं तथा मुख्यमंत्री को देखकर उन्हें परिवार के सदस्य जैसा प्रतीत होता है जिन्होंने ई-साइकिल का उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आह्वान किया कि वे सभी दृढ़ निश्चय एवं कड़ी मेहनत के साथ अपने सपनों को पूरा करें। राज्य सरकार बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान बालिकाओं एवं कामकाजी महिलाओं को ई-साइकिल वितरित की। कार्यक्रम में ईईएसएल की ई-साइकिल प्रोग्राम हैड रितु सिंह सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी बालिकाएं एवं कामकाजी महिलाएं उपस्थित रहीं।

भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक का समन्वय शिक्षा का नया मार्ग- शिक्षा मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मेवाड़ की पावन भूमि राजसमंद में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय 'चिंतन शिविर' शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। शिविर का समापन शनिवार को हुआ। सभी सत्रों में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर व्यक्तिशः उपस्थित रहे और प्रत्येक सुझाव को गंभीरता से सुना।

शिविर का उद्देश्य शिक्षा में संस्कारों, नैतिक मूल्यों, सामाजिक सद्भावना और जीवन मूल्यों का समावेश करते हुए गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, और रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करना था। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इस शिविर को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यहाँ से निकले निष्कर्ष राजस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिविर में शिक्षा के विभिन्न आयामों पर गहन मंथन हुआ। विशेषज्ञों ने समग्र शिक्षा, मिड-डे मील, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी कार्यान्वयन, भारतीय ज्ञान परंपरा के विस्तार और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया। शिक्षा का उद्देश्य केवल सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि सार्थकता और सामाजिक सद्भावना को बढ़ावा देना भी है। नैतिक शिक्षा, जीवन मूल्यों, और संस्कारों को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया।

शिविर में विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने और ड्रॉपआउट दर को

कम करने के लिए ठोस उपायों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त सुरक्षित भवनों, स्वच्छ और हरित परिसर, पोक्सो मामलों पर जागरूकता, तनाव प्रबंधन, और विद्यार्थियों की दिनचर्या जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षा और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी रणनीतियाँ प्रस्तुत की गईं।

शिविर में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया। संस्थागत सुधारों के तहत स्टेट ओपन स्कूल, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, पाठ्यपुस्तक मण्डल, और डाइट जैसे संस्थानों को और सशक्त करने पर जोर दिया गया।

खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, वित्तीय प्रबंधन, और लेखा आक्षेपों के समयबद्ध समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में सुधार के लिए प्रभावी सुझाव प्रस्तुत किए, जो शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी और कुशल बनाएंगे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए सभी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और प्रतिभागियों का इस चिंतन शिविर को सफल बनाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्र में यह चिंतन शिविर एक ऐतिहासिक कदम है। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और यहाँ से निकले निष्कर्षों के आधार पर राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।" शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह शिक्षा चिंतन शिविर न केवल राजस्थान की शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, बल्कि यह भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों, और आधुनिक तकनीकी शिक्षा के समन्वय का एक अनुपम उदाहरण भी है। यहाँ से निकले विचार और सुझाव शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेंगे।

जयपुर में पुनीत बलाना का 'आमेर' कलेक्शन लॉन्च

जयपुर। जयपुर के रामबाग पैलेस में शुक्रवार शाम फैशन और संस्कृति का संगम देखने को मिला। यहां मशहूर फैशन डिजाइनर पुनीत बलाना ने अपने लेबल के 10 वर्ष पूरे होने के मौके पर नया फेस्टिव कलेक्शन 'आमेर' लॉन्च किया। इस मौके पर बॉलीवुड के कई सितारे रैंप पर उतरे और शाही पृष्ठभूमि में हुए इस शो ने सभी का दिल जीत लिया। सबसे ज्यादा ध्यान खींचा अभिनेत्री अनन्या पांडे ने, जिन्होंने आमेर फोर्ट से इंस्पायर गुलाबी गुलाल रंग के रॉयल सिल्क लहंगे में रैंप पर वॉक किया। उनका यह शाही अंदाज़ दर्शकों को खूब पसंद आया।

कार्यक्रम में सनी कौशल, भूमि पेडनेकर और डायना पेंटी जैसे सितारों ने भी रैंप वॉक कर शो में चार चांद लगा दिए। शो की शुरुआत राजस्थान के मशहूर लोक कलाकार कुतले खां की शानदार प्रस्तुति से हुई, जिसने राजस्थानी संस्कृति की खूबसूरती को सामने रखा। रामबाग पैलेस की ऐतिहासिक और शाही पृष्ठभूमि ने इस फैशन शो को और भी खास बना दिया। इसी मौके पर जयपुर के बरवाड़ा हाउस में पुनीत बलाना इंडिया के फ्लैगशिप स्टोर का भी उद्घाटन किया गया। यह शाम न सिर्फ फैशन प्रेमियों के लिए बल्कि संस्कृति और विरासत को संजोने का भी एक अविस्मरणीय अनुभव रही।

परचम कुशाई से जश्न-ए-मिलादुन्नबी का आगाज

-बड़ी चौपड़ पर होगी आलमी मिलाद कांफ्रेंस

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहिवसल्लम की जीवनी से लोगों को अवगत कराने को लेकर 1500वां जश्न-ए-मिलादुन्नबी का राजधानी जयपुर में आगाज हुआ। मुफ्ती-ए-शहर जयपुर मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी की सरपस्ती व सुन्नी दावते इस्लामी के संरक्षक मौलाना सैयद मुहम्मद कादरी के सान्निध्य में 1447 हिजरी का परचम कुशाई से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें शहर के औलामा, जिम्मेदार हजरात एवं वरिष्ठजन मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहिवसल्लम की जीवनी के बारे में बताते हुए उनके बताए सन्मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इसी के साथ जश्न-

ए-मिलादुन्नबी के जुलूस में आने वाले लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम संयोजक मौलाना सैयद मुहम्मद कादरी के अनुसार सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से इतवार 24 अगस्त को रात 9.30 बजे रामगंज चौपड़ पर आलमी मिलाद कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य वक्ता मालेगांव (महाराष्ट्र) के सैयद अमीन उल कादरी होंगे। साथ ही अन्य कई इस्लामी स्कॉलर कांफ्रेंस को संबोधित करेंगे। इसी प्रकार 30 अगस्त को वाहिद मेमोरियल वेलफेयर एंड रिलीफ सोसायटी की ओर से बड़ी चौपड़ पर कुल हिंद नातिया मुशायरा होगा। जिसमें देशभर से विख्यात शायर आएंगे।

'काव्य कथा' में सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन बांधेंगीं समां

- नाट्य वृक्ष डांस कलेक्टिव के साथ भरतनाट्यम प्रस्तुतियां देंगी पद्मश्री गीता चंद्रन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर 25 अगस्त 2025 को संगीत, भाव और कहानियों से भरी एक खास शाम का गवाह बनेगा। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन सोमवार को शाम 6:30 बजे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 'काव्य कथा' में नाट्य वृक्ष डांस कलेक्टिव के साथ भरतनाट्यम प्रस्तुतियां देंगी।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाली काव्य कथा में दर्शकों को शिव स्तुति, गोविंद वंदना, ओंकारा करिणी, कृष्ण को सुनाई जाने वाली लोरी के रूप में रामायण की पुर्नकथा, तिलाना एवं वनमाली सरीखी बेजोड़ प्रस्तुतियां देखने का अद्वितीय अवसर मिलेगा। पद्मश्री गीता चंद्रन के साथ नाट्य वृक्ष डांस कलेक्टिव की नृत्यांगनाएं राधिका कथल, मधुरा भ्रुशुंडी, सौम्यलक्ष्मी नारायणन और यादवी शकदर मेनन भी प्रस्तुतियां देंगीं। लंबे समय से साथ सीखने और अभ्यास करने के कारण गहरी समझ और

भरोसे के साथ इन कहानियों को मंच पर सजीव करेंगी। प्रस्तुति का तकनीकी निर्देशन राहुल चौहान कर रहे हैं और वाचन राजीव चंद्रन करेंगे।

गीता चंद्रन और नाट्य वृक्ष के लिए काव्य कथा केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक अर्पण है। यह एक परंपरा की मशाल को आगे बढ़ाना है, भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर को सहेजना है, और यह स्मरण कराना है कि हमारी प्राचीन दर्शन, मूल्य और सुंदरता आज भी जीवित हैंकृवे विकसित होते रहते हैं और नई पीढ़ियों से संवाद करते हैं।

इस नृत्य कार्यक्रम में परंपरा की सुंदरता और आज के समय की ऊर्जा मिलकर दर्शकों के लिए यादगार अनुभव बनाएंगे। दुनियाभर में नृत्यांगना, गुरु, नृत्य निर्देशक, विदुषी और सांस्कृतिक दूत के रूप में प्रसिद्ध गीता चंद्रन ने भरतनाट्यम की उज्ज्वल परंपरा को आगे बढ़ाने में पांच दशकों से अधिक समय समर्पित किया है। नाट्य वृक्ष के माध्यम से उन्होंने ऐसे शष्यों की पीढ़ी तैयार की है, जो तकनीकी निपुणता और भावनात्मक गहराई दोनों को साथ लेकर चलते हैं, जिससे यह नृत्य शैली अपनी जड़ों से जुड़ी रहते हुए लगातार विकसित हो रही है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने की स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा

- कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम डॉ. रवि शेखावत, द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी और संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ. सोनी ने सक्षम जयपुर अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आमजन को शिविरों का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए तथा शिविरों में एनसीडी स्क्रीनिंग स्टॉल लगाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जाए। उन्होंने आरबीएसके कार्यक्रम के तहत बच्चों की स्क्रीनिंग एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम पर चर्चा के दौरान कलेक्टर ने ऐंटीलार्वा गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर बल दिया। बैठक में एमएनडीवाई एवं एमएनजेवाई योजनाओं की समय पर पोर्टल एंट्री, एनसीडी कार्यक्रम में और अधिक प्रयास, कोटपा एक्ट के अंतर्गत नगर निगम से समन्वय, एएनसी रजिस्ट्रेशन में पिछड़े ब्लॉक्स में सुधार तथा पीसीपीएनडीटी योजना में नियमित निरीक्षण व डिकोय ऑपरेशन पर विशेष जोर दिया गया।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जानकारी दी गई कि आईसीएमआर के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर जिला जयपुर द्वितीय में टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस दौरान डॉ. कलिका गुप्ता और डॉ. सृष्टि जैन ने विस्तृत जानकारी दी। बैठक में आईएचआईपी पोर्टल पर डेटा एंट्री, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, जेएसवाई, राजश्री, लाडो, आभा आईडी, माँ वाउचर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, अनीमिया मुक्त राजस्थान एवं ई-केवाईसी जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई।

कलेक्टर डॉ. सोनी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ आमजन तक अधिकतम रूप से पहुँचाने के लिए विभागीय समन्वय के साथ समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

इक्को कार और कंटेनर की भीषण भिड़ंत: एक की मौत, पांच गंभीर घायल

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र में शनिवार को हुआ एक भीषण सड़क हादसा पूरे इलाके में सनसनी फैला गया। थाना क्षेत्र के मनोहरपुर से नवलपुरा जाने वाले सड़क मार्ग पर माधोवेनी नदी पर शनिवार को एक इक्को कार व कंटेनर में जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई एवं पांच जने गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए निम्स चिकित्सालय ले जाया गया। थाना एएसआई जयराम यादव ने बताया कि कस्बा के स्वामी मोहल्ला निवासी वाजिद अली अपने दोहिते को मनोहरपुर से जयपुर डॉक्टर को दिखाने जा रहा था।

इस दौरान नवलपुरा मोड के माधोवेनी नदी की ओर से आ रहे कंटेनर और इक्को वेन खलासी साइड जोरदार भिड़ंत हो गई। जिससे इक्को कार में सवार वाजिद अली उर्फ मुन्ना मनियार पुत्र गुलाब मोहम्मद उम्र 65 वर्ष की मौत हो गई। कार में सवार नसीम बानो पत्नी स्व. साजिद खान उम्र 32 वर्ष, हसन पुत्र नसीम बानो उम्र ढाई साल, शिवानी शर्मा पुत्री महावीर मिश्रा उम्र 23 साल,

हेमलता गुप्ता पत्नी ललित गुप्ता उम्र 35 वर्ष, रेखा शर्मा पत्नी मनोज शर्मा 45 वर्ष गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर थाना पुलिस के एएसआई जयराम यादव मय जाप्ता के पहुंचे।

घटना की सूचना से मौके पर काफी संख्या में लोग इकठ्ठे हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से निम्स चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया जहां चिकित्सकों ने वाजिद अली उर्फ मुन्ना मनियार को मृत घोषित कर दिया एवं सभी घायलों का उपचार जारी है। इधर घटना की सूचना पाकर विधायक मनीष यादव, भाजपा नेता उपेन यादव निम्स अस्पताल में पहुंचे। जहां उन्होंने मरीजों के हालचाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली।

ग्रामीणों में आक्रोश-

प्रशासन सो रहा है! स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि टोल टैक्स बचाने के लिए बड़े वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। प्रशासन को कई बार सीएलजी मीटिंग में स्पीड ब्रेकर लगाने और भारी वाहनों पर रोक लगाने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जिला कलक्टर के निर्देश पर फील्ड में उतरे प्रशासनिक अधिकारी

- जलभराव के क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए अधिकारियों को किया निर्देशित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लगातार हो रही बारिश के चलते शहर के कई इलाके प्रभावित हुए हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शनिवार को प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जर्जर भवनों, जलभराव और बारिश से हुए अन्य नुकसान की स्थिति का आकलन किया तथा आमजन से संवाद कर समस्याएं जानीं।

जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने स्वयं भी वर्षा प्रभावित एवं जलभराव वाले निचले इलाकों का दौरा कर स्थिति की जानकारी ली और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने संबंधित विभागों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना को देखते हुए डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सतर्क

रहने एवं आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क करने की अपील की। जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, जहां आवश्यक हो वहाँ मड पंप लगाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए तथा कमजोर एवं जर्जर भवनों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया जाए। संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में सैंडबैग लगाने और जलभराव को रोकने के उपाय भी करने के निर्देश दिए गए।

वहीं, जिले के सभी उपखंड अधिकारियों और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने लो लाइन एरिया, जर्जर भवनों और जलभराव प्रभावित बस्तियों का निरीक्षण किया। प्रशासन ने नगर निकाय, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी और आपदा प्रबंधन दल सहित सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ सतत निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो।

श्री वीर तेजाजी महाराज का वार्षिक भंडारा

-हिन्दू मुस्लिम सभी दुकानें बंद कर भंडारे में करते है शिरकत

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। खोरा लाड़खानी में स्थित श्रीवीर तेजाजी महाराज के विशाल भंडारे में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा। इस दौरान सुबह कमेटी के सदस्यों व स्थानीय लोगों के द्वारा विधिवत् हवन पूजन कर श्री तेजा जी महाराज को प्रसादी का भोग लगाया गया ओर भंडारा प्रसादी का आयोजन शुरू किया गया इस दौरान सैकड़ो श्रद्धालुओं ने बाबा की प्रसादी का जमकर लुत्फ उठाया । महिलाओं ने श्री तेजा जी बाबा के मंदिर में पहुंचकर बाबा के चरणों में ढोक लगाई और अपने परिवार की सुख समृद्धि की मनौती मांगी ओर भंडारे के दौरान बाबा के गर्भ गृह को रंग बिरंगे फूलों ओर रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया ओर संध्या में आरती की गई।

इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष छाजूराम पलसानिया कोषाध्यक्ष सूरजमल हरितवाल खोरा सरपंच ईश्वर चन्द जाट पूर्व सरपंच धूणी लाल जाट प्रभात जिजवाडीयां सीताराम जिंजवाडिया बद्री प्रसाद कपूरिया सरदार मल जाट बद्री प्रसाद कटारिया नन्दबिहारी कटारिया शिंभु रोलानिया पूर्व लाइनमैन रामपाल काका तेजा राम जाट साधु राम जाट महादेव प्रसाद जाट सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आईआईएस यूनिवर्सिटी में हुआ 'उड़ान 2025 – द बिगिनिंग' का रंगारंग आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर में वार्षिक फ्रेशर कार्यक्रम 'उड़ान 2025 – द बिगिनिंग' का भव्य आयोजन किया गया। नए छात्राओं के स्वागत में आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे परिसर को उत्साह और उमंग से भर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक शिव वंदना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ मंच पर आती रहीं। छात्राओं ने अपनी अद्त प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सेमी-क्लासिकल डांस, ग्रुप सॉन्ग, फोक डांस – भांगड़ा, स्किट, वेस्टर्न डांस – बीटस्टॉर्म, फोक डांस – घूमर, फ्यूजन डांस और वेस्टर्न डांस – रिद्म रेडर्स प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का समापन ऊर्जा से भरे कुलमिनेशन डांस से हुआ, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. टी.एन. माथुर ने अपने संदेश

में कहा कि 'उड़ान केवल एक सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं, बल्कि नए विद्यार्थियों को अपनी पहचान बनाने और अपने सपनों को ऊँचाइयों तक ले जाने की प्रेरणा देने वाला मंच है।'

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

भारी वर्षा के मध्यनजर जिला कलक्टर काना राम की जिले वासियों से सतर्कता बरतने की अपील

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में विगत दो दिवस से जारी भारी वर्षा एवं जलभराव की स्थिति के मध्येनजर जिला कलक्टर काना राम ने नागरिकों से सतर्कता बरतने और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है। जिला कलक्टर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जलमग्न क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से प्रवेश न करें और बच्चों-युवाओं को ऐसे इलाकों से दूर रखें। फोटो या वीडियो बनाने के लिए जान जोखिम में डालने से बचें तथा नदियों-नालों, बहाव वाली पुलियाओं, जलमग्न सड़कों, रपटों एवं पुलों को पार न करें। बिजली के खम्भों और ट्रांसफार्मरों से दूरी बनाए, भारी वर्षा के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से परहेज करें। जिला कलक्टर ने अतिवृष्टि एवं भारी जलभराव की स्थिति को देखते हुए

त्रिनेत्र गणेश श्रद्धालुओं से विशेष अपील की है कि आगामी दो दिनों तक या जब तक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं, मंदिर यात्रा पूर्णतः स्थगित रखें। उन्हों कहा की जैसे ही परिस्थितियां सामान्य होंगी, जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को सूचित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ सहित सभी बचाव दल अलर्ट मोड जिले के नागरिकों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे कार्य कर रहे है। प्रशासन द्वारा जलमग्न क्षेत्रों के लोगों हेतु भोजन, पेयजल एवं सुरक्षित आवास के लिए आश्रय स्थल/राहत केन्द्र की व्यवस्था की गई है। इस हेतु स्थानीय पटवारी, गिरदावर, ग्राम विकास अधिकारी एवं शहरी क्षेत्र में नगर परिषद/क्षेत्र प्रभारी के संपर्क में रहें और अफवाहों से बचें।

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को माँ भारती सेवा सम्मान

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ भाजपा नेता, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, समाजसेवी, पर्यावरणविद तथा राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को माँ भारती सेवा सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। विश्व गंगा वाहिनी एवं शोध संस्थान, आगरा द्वारा डॉ. चतुर्वेदी को संस्था के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा द्वारा माँ भारती सेवा सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. चतुर्वेदी को यह सम्मान उनके द्वारा राष्ट्र भक्ति, साहित्य साधना, शोध, शिक्षा तथा हिंदी भाषा विकास आदि के क्षेत्र में प्रेरक, रचनात्मक एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को संगठनात्मक कार्यों का एक लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विविध सामाजिक संगठनों में वे पिछले पैंतीस वर्षों से निरंतर सक्रिय हैं। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में वे अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे एक श्रेष्ठ समीक्षक, कुशल वक्ता तथा

कुशल मंच संचालक भी हैं। डॉ. चतुर्वेदी अनेक सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय हैं।

टोंक में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

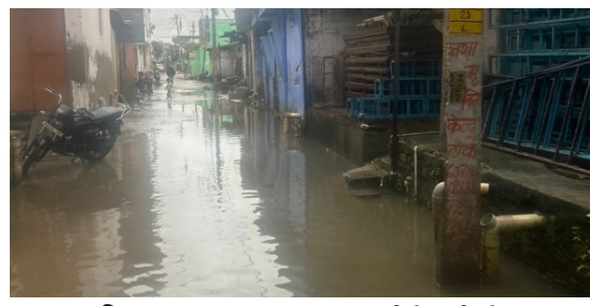

अब्दुल क़ादिर खान

टोंक (रॉयल पत्रिका)। टोंक में लगातार मूसलाधार बारिश से शहर और ग्रामीण इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। कई घरों में पानी घुस गया, सड़कों पर जलभराव हो गया और लोग बचाव के लिए छतों पर शरण ले रहे हैं। प्रशासन और राहत एजेंसियां लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगी हैं।

-बीसलपुर बांध के 6 गेट खोले गए

तेज बारिश के चलते बीसलपुर बांध में जल स्तर बढ़ गया है, जिससे बांध के 6 गेट खोलकर बनास नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। यह कदम आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पानी के बहाव के लिए उठाया गया है, ताकि बांध पर दबाव न बढ़े और सुरक्षा बनी रहे।

-सुरक्षा के लिहाज से स्कूल बंद, प्रशासन सतर्क

टोंक जिला प्रशासन ने भारी बारिश और जलभराव के कारण 23 अगस्त को सभी सरकारी व निजी स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने का फैसला लिया है। आपदा प्रबंधन टीमें अलर्ट पर हैं, और प्रशासन राहत कार्यों पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

चौमूं तहसील छात्रावास भवन निर्माण तीसरी मंजिल कार्य के लिए भामाशाह आपने एवंम राम सहाय खातोदिया ने ₹2,51,000 रुपए दिए

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित दौलत शाहा बाबा की दरगाह के पास जयपुर रोड कृष्ण महिला छात्रावास के परिसर में तीसरी मंजिल भवन कार्य के लिए जब से जयपुर जिला देहात यादव महासभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद यादव ने हर तहसील हर गांव ढाणी पहुंचकर मंजिल भवन निर्माण कार्य के लिए भामाशाहों को ऐसे कार्य को लेकर आगे लाने का कार्य कर रहे हैं इसी के साथ भामाशाह राम सहाय खातोदिया ने निर्माण कार्य के लिए 2,51,000 रुपए (दो लाख इक्यावन हजार मात्र) की नगद सहयोग की राशि प्रदान कर जो उदारता और समाज के प्रति आपकी गहरी संवेदनाशीलता दिखाई है। उसके लिए हम और हमारी टीम की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद, उसके लिए हम हृदय से आपके आभारी हैं। इस मौके पर जिला अध्यक्ष डॉक्टर यादव ने बताया कि समाज

में भामाशाहों की कोई कमी नहीं है लेकिन भामाशाहों को आगे लाने के लिए भामाशाह के पास जाकर अवगत करवाने पर आगे आते हैं और आपका यह योगदान न केवल छात्रावास के निर्माण कार्य में आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा, बल्कि समाज की बालिकाओं को शिक्षा और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देगा। आपके इस महत्वपूर्ण सहयोग से समाज में सेवा भावना और एकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत हुआ है। हम सभी यादव समाज के सदस्य, अभिभावकगण तथा छात्रगण आपकी इस पुनीत भावना के लिए आभार प्रकट करते हैं एवं ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सतत सामाजिक उत्थान हेतु शक्ति प्रदान करें। इस मौके पर महामंत्री सरदार मल कलालिया, कोषाध्यक्ष भीम सिंह ठोठवाल , गोपाल भोमाका,डी आर ए मांगीलाल यादव, मदन यादव सहित कई समाज के लोग उपस्थित होकर रामसायिक खातों दिया और उनके परिवारजनों को धन्यवाद साधुवाद दिया ।

देर रात तक खुब जमा भक्ती रस का कार्यक्रम पंचमुखी बालाजी मंदिर प्रांगण में

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोचीवाडा स्थिती पंचमुखी बालाजी मंदिर प्रागण में देर रात्री तक कोटड़ी शक्ति सावित्री माता की भजन संध्या में श्रोता भक्ति रस में डुबे रहे। स्थानीय कलाकार नोगा पंडित एण्ड पार्टी ने भजन की रसधारा में उपस्थित भक्तो को झुमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की उपस्थिती शानदार रही वही अनेक भक्तो ने भजनो पर झुमकर अपनी भक्ति का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कोटड़ी शक्ति सावित्री माता का पुष्पो से

भव्य श्रृगांर किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित दुर्गादत्त हारित ने बताया कि कार्यक्रम अमावश्या के उपलक्ष में आयोजित हुआ जिसमें मंदिर परिसर को सजाया गया एवम् भक्तो का देर रात्री तक तांता लगा रहा। कार्यक्रम में शिवभक्त मण्डल के रतन बजाज, नितेश जोशी ने आयोजकिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर महेश बावलिया, रवि दाधीच, विनोद ओझा, बजरंग सणखत, रतन चौहान, रामबाबू सोनी सहित अनेक श्रृद्वालू उपस्थित रहे।

घायल नंदी का चिकित्सक विजय यादव के सानिध्य में किया उपचार

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आलीसर के स्थित बालाजी नवयुवक मंडल एवंम गौ रक्षा के दल के सदस्यों द्वारा एक गाय नंदी स्थानीय डॉक्टर विजय कुमार यादव एवं डॉ. आशीष शर्मा के सानिध्य में सफल उपचार किया गया इस अवसर पर गौ रक्षक दल टीम के सदस्य प्रहलाद सहाय स्वामी, विकास कुमावत, विनीत मीणा, सोनू स्वामी, सुनील मीणा, विनोद सहित गौरक्षक के दल लो ने उपचार करवाया गया।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अतिवृष्टि और जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले में विगत दो दिन से हो रही लगातार बारिश एवं अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन ने त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य शुरु कर दिए हैं। जहां जल भराव है वहां से लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शनिवार को सवाई माधोपुर जिले में सूरवाल, जडावता, अजनोटी, मेनपुरा, धनोली सहित अन्य जलभराव व अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने चकचैनपुरा हवाई पट्टी पर जिला प्रशासन एवं प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा संबंधित अधिकारियों को आपदा राहत कार्य मुस्तैदी से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव वाली निचली बस्तियों से लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर भेजने एवं बाढ़ग्रस्त इलाकों में राशन एवं खाद्य सामग्री पहुंचाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त करते हुए कहा की आपदा के कारण जन-धन एवं फसल खराबे का सर्वे करवाकर नुकसान की भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तत्परता बरतते हुए बुनियादी सुविधाओं जैसे बिजली, सड़क एवं संचार व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। मंत्री ने कहा कि बारिश और बाढ़ से हर साल होने वाली समस्याओं के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। लटिया नाला

को गहरा करने के साथ सूरवाल बांध के ओवरफ्लो के पानी को ईआरसीपी परियोजना मैं शामिल कर बनास नदी में पहुंचाया जाएगा। उन्होंने लटिया नाला के किनारे बसी कॉलोनियों में अतिवृष्टि होने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है, वहां स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाने एवं आरएसआरडीसी द्वारा डिसिल्टिंग कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने एवं ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करवाने के निर्देश भी दिए । उन्होंने कहा कि राजस्थान से मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग एनएच 552 पर मानसरोवर बांध के डाउनस्ट्रीम में बनी बोदल पुलिया पर शीघ्र वन विभाग से एनओसी लेकर एलिवेटेड पुलिया का निर्माण करवाया जाएगा। बोदल पुलिया की मरम्मत का कार्य पुनः प्रारंभ कर शीघ्र यातायात सुचारू करने के निर्देश दिए। टैक्टर में बैठकर जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजाः- हवाई सर्वे के पश्चात् आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जल भराव प्रभावित सूरवाल गांव पहुंचे। मंत्री डॉ मीणा ने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के साथ ट्रैक्टर पर बैठकर सूरवाल गांव का जायजा लिया और गांव में भारी बारिश एवं जलभराव से प्रभावित लोगों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है और उनकी हर संभव मदद की जाएगी। अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी, लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटी सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें:- जिला कलक्टर काना राम में बताया कि जिले के अतिवृष्टि एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में सिविल डिफेंस एवं आपदा राहत बलों की टीमें निरंतर कार्य कर रही हैं। जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एवं राहत बचाव कार्य हेतु एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीम तैनात है। सूरवाल के मच्छीपुरा ढ़ाणी एवं जिन क्षेत्रों में जलस्तर निरंतर बढ़ रहा है वहां से लोगों को प्राथमिकता से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाढ़ से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के साथ ही आवश्यक राहत सामग्री एवं बचाव उपकरण, दवाईयां, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था उपलब्ध कराने का कार्य पूरी क्षमता के साथ किया जा रहा है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह एवं आपदा प्रबंधन भास्कर ए सावंत, जिला कलेक्टर काना राम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, पूर्व उप सभापति राजेश गोयल मौजूद रहे।

जिला प्रभारी सचिव ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

-योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रभारी सचिव टीकम चंद बोहरा जिले के शाहबाद एवं किशनगंज क्षेत्र में शुक्रवार को भ्रमण पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनजातीय कल्याणकारी योजनाओं के कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव सबसे पहले शाहबाद के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने छात्राओं से संवाद कर आवासीय व्यवस्था, शिक्षा की गुणवत्ता एवं पोषण आहार की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने छात्रावास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समरानियां तथा सहरिया जनजाति बालिका छात्रावास, खुशियारा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगतिरत विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनजातीय कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से फील्ड में रहकर योजनाओं की मॉनिटरिंग करें और लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। भ्रमण के दौरान उन्होंने भारी वर्षा के कारण शाहबाद एवं आस-पास के क्षेत्रों में हुए जलभराव की स्थिति व राहत कार्यों के बारे में जानकारी भी ली और संबंधित विभागों को अतिवृष्टि जनित समस्याओं के समाधान के लिए निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने अधिकारियों से कहा कि वे आमजन के बीच जाकर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करें तथा जरूरतमंदों को समय पर लाभान्वित करें। प्रभारी सचिव ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से संवाद भी किया। इस अवसर पर एडीएम जबर सिंह, एसडीएम मुकेश मीणा, कॉपरेटिव बैंक के एमडी सौमित्र मंगल, तहसीलदार दशरथ मीणा, शाहबाद तहसीलदार अनिता सहित कई विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभु दयाल शर्मा को सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला सचिव पद पर मनोनीत किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने ग्राम पंचायत आलीसर से ही ग्राम बागा का बास के निवासी प्रभु दयाल शर्मा पुत्र स्वं. सूरजमल शर्मा को सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला के सचिव पद पर मनोनीत किया। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी तथा समाज के लोगों ने साफ़ा बधाकर सम्मान

व स्वागत किया गया।

24 अगस्त को होगा 'संडेज ऑन साईकिल' अभियान का शुभारम्भ

-झुंझुनूं पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय होंगे मुख्य अतिथि

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अंतर्गत फिट इंडिया मिशन द्वारा 24 अगस्त 2025 को 'संडेज ऑन साईकिल' अभियान का एक विशेष राष्ट्रव्यापी संस्करण आयोजित किया जा रहा है। झुंझुनूं जिले में पहली बार इस 'संडेज ऑन साईकिल'अभियान का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) से अनुबंधित झुंझुनूं एकेडमी विज़्डम सिटी व झुंझुनूं प्रगति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जिला पुलिस प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ये प्रस्तावित साइकिल रैली पुलिस लाईन झुंझुनूं से शहीद स्मारक झुंझुनूं तक आयोजित की जाएगी। झुंझुनूं पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय इस अभियान के मुख्य अतिथि होंगे।

जानकारी देते हुए झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन एवं झुंझुनूं प्रगति संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दिलीप मोदी ने बताया कि 'संडेज ऑन साईकिल' अभियान, माननीय खेल और युवा मामलों के मंत्री द्वारा 17 दिसंबर 2024 को शुरू किए गए 'फिट इंडिया मूवमेंट' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका मुख्य उद्देश्य फिटनेस को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना है। इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में अब तक 35,500 से अधिक स्थानों पर 7 लाख से अधिक साइकिलिंग के प्रति उत्साही लोग शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रातः 6.30 बजे से 7.00 बजे तक पुलिस लाईन के परेड ग्राउंड में पतंजलि योग गुरु पवन जी सैनी के सान्निध्य में पुलिस के जवान एवं शहर के गणमान्य लोगो का सामूहिक योग सेशन होगा, इसके पश्चात् मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक हरी झण्डी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना करेंगे जिसमें सभी पुलिस अधिकारी, कार्मिक, झुंझुनू शहर के सभी प्रतिष्ठित डॉक्टर, स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं, एनसीसी व स्काउट के सदस्य, आमजन, सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

राज्य पुरस्कार स्काउट कैंप का भव्य आयोजन

सीकर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में पांच दिवसीय स्काउट राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर बनाथला में आयोजित किया जा रहा है। कैंप में प्रशिक्षण आर्थियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में स्थानीय संघ दांता, खाटूश्यामजी, रींगस व नीमकाथाना के प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर के अवलोकन के लिए शनिवार को गजानंद कुमावत, नागर मल मिश्रा,नेमीचंद कुमावत पूर्व सरपंच

सहित ग्रामीणों ने अवलोकन किया। इस अवसर पर गजानंद कुमावत ने कहा कि में इस केंद्र के विकास के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। प्रशिक्षण टीम में राम लाल चौधरी सचिव, प्रभुदयाल कुमावत एल. टी.स्काउट,फूल मोहम्मद स.सचिव, हनुमान प्रसाद सिंगल, हेमराज कुमावत,मोहन सिंह महला ,नारायणलाल महला,तुलसी राम कुमावत,जगदीश प्रसाद मीणा,चंद्राराम, जगदीश प्रसाद मीणा, अजय डमोलिया, पीतांबर लौरा,अंकित कुमावत ने सहयोग दिया।

रावणा राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को

-100 से अधिक को नवाजा जाएगा प्रशस्ति पत्र से

पाली (रॉयल पत्रिका)। रावणा राजपूत समाज विकास समिति सोसायटी नगर ईकाई की ओर से रविवार को शहर स्तरीय द्वितीय प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

रावणा राजपूत समाज विकास समिति सोसायटी नगर ईकाई अध्यक्ष एवं एडवोकेट विक्रम सिंह भैंसाणा ने बताया कि सोसायटी नगर ईकाई समाज भवन मे आयेाजित होने वाले प्रतिभावान समारोह मे 100 से अधिक प्रतिभाओ को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियो को लेकर शनिवार को घर घर जाकर समाजबंधुओ को निमंत्रण

दिया गया।

उन्होने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सोसायटी रजिस्ट्रेशन जयपूर का ऑपरेटिव के रजिस्ट्रार रणवीर सिंह परिहार, प्रेरक अतिथि के रूप मे राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग जयपुर संभाग के अतिरिक्त निदेशक चन्दन सिंह चौहान, जोधपुर डिस्कॉम जालोर के सेवानिवृत अधीक्षक अभियंता पूनम सिंह राठौड, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक तेज सिंह पंवार, रावणा राजपूत समाज के संरक्षक मूल सिंह भाटी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम सिंह सोलंकी होगे। कार्यक्रम की तैयारियो को लेकर बाबू सिंह परिहार, ओम सिंह सोढा आदि जुटे हुए है।

3 सितंबर को तकरीर का प्रोग्राम पोस्टर विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मेहरुनिशा एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के सचिव हाजी मोहम्मद अली कादरी ने बताया कि 1500 साला ईद मिलादुन्नबी के मौके पर तकरीर के प्रोग्राम होगा। तकरीर को लेकर मीरा कॉलोनी में पोस्टर विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना मोहम्मद इदरीश रजा कादरी और मौलाना साजिद हुसैन रिजवी होंगे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर तकरीर का प्रोग्राम 3 सितंबर बुधवार बाद नमाजे ईशा मीरा कॉलोनी में आयोजित होगा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

पोस्टर विमोचन के मौके पर मौलाना हाशिम रजा मिस्बाही, साजिद खान जोधाणा, हाजी अमीन बुंदू भाई, हकीकत अली काजी, फिरोज भाई अब्बासी, जफर इब्राहिम केके, अलादीन कायमखानी, फिरोज लोहार, मुस्लिम कादरी, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद शफी, अफजल अब्बासी, शाकीर अब्बासी, आसीम, वसीम मेवाफरोश, आबिद मेवाफरोश, हाजी अहमद बख्श, अब्दुल मुत्तलिब, नदीम लोहार, सद्दाम अब्बासी, इरफान अब्बासी, रईस अहमद सहित कई युवा और बुजुर्ग उपस्थित रहे।

विधि प्रथम वर्ष अनुसूचित जनजाति संवर्ग की 14 सीटों पर प्रवेश के लिए 25 अगस्त तक करें आवेदन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाली में सत्र 2025-26 के लिए प्रथम वर्ष के आवेदन पत्र जमा कराने की तिथि 20 अगस्त निर्धारित थी परन्तु अनुसूचित जनजाति संवर्ग की 14 सीटों पर प्रवेश नीति के तहत प्रवेश के लिए पर्याप्त आवेदन न होने के कारण रिक्त रही सीटों पर अनुसूचित जनजाति संवर्ग के योग्य अभ्यर्थियों से विधि प्रथम वर्ष के आवेदन पुनः गुरूवार से 25 अगस्त तक अपराह्न 1:30 बजे तक आमंत्रित किए जाएंगे।

विधि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तपन पुरोहित ने बताया कि निर्धारित बढ़ी हुई अवधि एवं समय के पश्चात भी अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों के आवेदन प्राप्त न होने पर रिक्त रही सीटों पर अनुसूचित जाति संवर्ग से प्राप्त आवेदनों को वरियता के आधार पर समायोजित कर दिया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिए आमजन की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश

-ग्राम पंचायत काकलवाड़ा में रात्रि चौपाल आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले की अरांई पंचायत समिति की ग्राम पंचायत काकलवाड़ा में शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल आयोजित हुई। इस दौरान ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की भावना के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। इस दौरान 44 प्रकरण आए। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा विभिन्न समस्याओं के परिवाद दिए गए। इनमें नियमित जलापूर्ति करने, सड़क निर्माण, नामांतरण करने, अतिक्रमण हटाने सहित अन्य परिवाद दिए गए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने रास्ता खुलवाने, विद्यालय में कमरा निर्माण, अलख जी महाराज के मेले में पुलिस जाप्ता लगाने, बैरवा मौहल्ले में नाली निर्माण, बालुपूरा रास्ते पर पुलिया निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति जारी करने, ट्रांसफार्मर बदलने जैसी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रार्थना पत्र दिए। रात्रि चौपाल में काकलवाड़ा ग्राम पंचायत के समस्त चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही समस्त रास्तों पर से भी अतिक्रमण हटाया जाएगा। अतिक्रमियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। आदतन अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर उक्त परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार ग्रामीण अंचलों की समस्याओं का समाधान करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से दौरे करें और जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के साथ-साथ रात्रि चौपाल में आने वाले सभी प्रकरणों में विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए संबंधित पीड़ित को राहत दिलवाने सुनिश्चित किया जाए।

एक भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित ना रहें- मंत्री गोदारा

-गिव अप अभियान में डूंगरपुर जिले में एक लाख 47 हजार 120 वंचित पात्र जुड़ें

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप एक भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित ना रहें। इसके क्रियान्वयन हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ अधिकारी फील्ड में जाकर कार्य करें। यह निर्देश शुक्रवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेते हुए दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा निरंतर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट दिशा निर्देश है कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाएं , ताकि वह समाज के मुख्य धारा से जुड़ सकें। इस दौरान विधायक सागवाड़ा शंकर लाल डेचा, जिला प्रमुख सूर्या अहारी, जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, प्रधान बिछीवाड़ा देवराम रोत, प्रधान सागवाड़ा ईश्वर लाल सरपोटा भी मौजूद रहे। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि प्रदेश मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वंचित पात्र लोगों को एनएफएसए में जोड़ने हेतु विभाग द्वारा गिव अप अभियान 1 नवंबर 2024 को शुरू किया गया। उन्होंने अभियान का उद्देश्य बताते हुए कहा कि सक्षम लोगों को स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी त्यागने हेतु प्रेरित करना है ताकि गरीबों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल सकें। उन्होंने बताया कि गिव अप अभियान के अंतर्गत अभी तक पूरे प्रदेश में 28 लाख 30 हजार 451 सक्षम लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ी है तथा डूंगरपुर जिले में 56887 लोगों ने गिव अप किया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिले में खाद्य सब्सिडी त्यागने एवं ई केवाईसी नहीं करवाने के कारण एनएफएसए में बनी रिक्तियों से पूरे प्रदेश में 57 लाख 10 हजार 386 पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा गया है। इसी क्रम में डूंगरपुर में एक लाख 47 हजार120 नए लाभार्थियों को जोड़ा जा सका है। उन्होंने कहा कि सक्षम लोगों का त्याग गरीबों के मुंह का निवाला बन रहा है। इस अभियान के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सूची में नई रिक्तियां बनने से सूची में जुड़े पात्र परिवारों को न केवल पोषण युक्त अन्य उपलब्ध करवाया जा रहा है बल्कि उन्हें निःशुल्क चिकित्सा योजना, दुर्घटना बीमा, घरेलू सिलेंडर आदि अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से भी लाभान्वित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि गिव आप अभियान में व्यापक जन भागीदारी को देखते हुए इसकी अवधि 31 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है।

कवराड़ा ग्राम में जन सुरक्षा कैम्प का हुआ आयोजन

-ग्रामीणों को बैंकिंग योजनाओं से जानकारी देकर किया गया लाभांवित

जालोर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीणों को जन सुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति एवं वित्तीय साक्षरता के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आहोर पंचायत समिति के कवराड़ा ग्राम में जन सुरक्षा कैंप का आयोजन किया गया। इस कैम्प में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग राजस्थान के संयुक्त निदेशक जे.पी.मीणा, जिला अग्रणी बैंक, जालोर के मुख्य प्रबंधक रमेश कुमार और सांख्यिकी विभाग, जालोर के उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित द्वारा निरीक्षण किया गया। कैम्प में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना, पीएमजेडीवाय खातों में री-केवाईसी, नॉमिनेशन तथा बढ़ते साइबर फ्राड के बारे में जानकारी देने के साथ ही ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ा गया। इस अवसर पर राजस्थान ग्रामीण बैंक चांदराई के शाखा प्रबंधक बलदेव चौधरी, जालोर फाउंडेशन वित्तीय साक्षरता केंद्र शिवगंज की फील्ड कॉर्डिनेटर हिना खान व वित्तीय साक्षरता काउंसलर (एस बी आई) के चौथमल कंसारा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सुराता में सीईओ राठौड़ ने चौपाल में सुनी परिवेदनाएं

-ग्रामीणों की परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में आमजन की समस्याओं को निस्तारित कर राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने गुरुवार को ग्राम पंचायत सुराता में रात्रि चौपाल की और ग्राम वासियों की परिवेदनाओं को सुनकर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। पंचायत समिति झोथरी की ग्राम पंचायत सुराता में गुरुवार को आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने विद्युत पोल बदलने, सीसी सड़क निर्माण की स्वीकृति जाने उचित मूल्य दुकान के जर्जर भवन के मरम्मत करवाने,विद्यालय के नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति, वन विभाग की भूमि पर मिनी बांध बनवाने सहित अन्य परिवेदनाएं लेकर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए तथा अपनी परिवेदनाओं को मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ को के समक्ष प्रस्तुत की । सीईओ राठौड़ ने एक-एक परिवादी की परिवेदना को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेते हुए नियमानुसार समाधान के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान चौपाल में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान पर रात्रि मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने रात्रि चौपाल उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं एवं अन्य को भी जागरूक करें। उन्होंने रात्रि चौपाल के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि चौपाल में जितनी भी परिवेदनाएं आई है उनको ऑनलाइन संपर्क पोर्टल पर दर्ज कर उनको शीघ्र ही निस्तारित करवाई जाएगी।

यह आई परिवेदनाएं-

चौपाल में आई परिवेदनाएं हेड पंप लगवाने, माहुरिया फला ग्राम पंचायत सूराता में नवीन प्राथमिक विद्यालय मां बाड़ी केंद्र खोलने, पगडंडी रास्ते पर सड़क बनवाने, उचित मूल्य दुकान सूराता सेकंड का भवन जर्जर अवस्था में मरम्मत करवाने, साझा फला आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद का अनुमोदन, विद्युत पोल बदलने, सीसी सड़क स्वीकृत करवाने, जर्जर क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन को नवीन भवन स्वीकृत करवाने, मिनीबांध का निर्माण, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अध्यापकों की नियुक्ति, खेल मैदान के लिए भूमि आवंटन करवाने, ग्राम पंचायत माल को सीमांकन करवाने, आदि परिवेदनाओं पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए शीघ्र निस्तारण कर राहत प्रदान करने की निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने योजना के क्रियान्वयन पर दिए आवश्यक निर्देश

-श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में योजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य जिले के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। योजना के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन, ग्रामीण आधारभूत संरचना तथा युवाओं के कौशल विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजना में कन्वर्जेन्स पर विशेष बल दिया जाएगा। इससे विभिन्न विभागों की योजनाओं और संसाधनों को मिलाकर अधिकतम लाभ आमजन तक पहुँच सकेगा। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है योजना का नोडल विभाग ग्रामीण विकास विभाग रहेगा। उन्होंने इन कार्यों में जनसहभागिता को अनिवार्य रूप से जोड़ने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि विद्यालय नवीन भवनों, सामुदायिक भवनों की मरम्मत, खेल मैदान और मिनी स्टेडियम का विकास, धार्मिक स्थलों एवं पर्यटन स्थलों का संरक्षण, साथ ही कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए डीएमएफटी फंड, सीएसआर फंड तथा केंद्र और राज्य की अन्य योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। आधुनिक तकनीक जैसे जीआईएस आधारित सर्वेक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग कर योजना को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण एवं फोटो डाक्यूमेंटेशन कराकर आवश्यक कार्यों की सूची तैयार करें और आगामी 10 दिनों में विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जिला कलक्टर ने कहा कि इस योजना से जिले की शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश प्रदान किए। अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति (डीडब्ल्यूएमएस) की बैठक शुक्रवार को आयोजित हुई। इसमें अतिरिक्त जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन के समस्त बकाया कनेक्शन तत्काल करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार मेजर प्रोजेक्ट के कार्य की गति बढ़ा कर बकाया नल कनेक्शन तत्काल जारी किए जाने के लिए भी निर्देशित किया। किए गए नल कनेक्शनों को पॉर्टल पर अपलोड करें। एफएचटीसी ग्रामों के समस्त आंगनबाडी केन्द्र, विद्यालय एवं ग्राम पंचायत भवन को नल कनेक्शन से जोड़ना सुनिश्चित करें। इसके लिए विद्यालयों के डाटा विभाग आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि जल जीवन से सम्बन्धित भुगतान शीघ्र करवाने के लिए विभागीय अधिकारी सक्षम स्तर के साथ लगातार सम्पर्क में रहेंगे। क्षेत्र से लगातार पेयजल के नमूने लेते रहे। इनकी जांच करवाएं। शुद्ध पेयजल की सप्लाई सुनिश्चित की जाए। विभिन्न स्थानों पर से लिकेज रोकें। सम्पर्क पोर्टल, जनसुनवाई एवं सीपीग्राम पोर्टल के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाएं। ई-फाईल तथा ई-डाक के प्रकरणों में औसत निस्तारण समय कम करने का प्रयास करें। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला परिषद की वार्ड नम्बर 9 सीट पर बिहारी पांडोर तथा पंचायत समिति सदस्य वार्ड नम्बर 16 सीट पर तेजल विजयी रहें

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। पंचायतीराज उप-चुनाव 2025 के तहत जिला परिषद वार्ड नम्बर 9 सीट पर बिहारी पांडोर विजयी रहें वहीं पंचायत समिति सदस्य के वार्ड नम्बर 16 सीट पर तेजल विजयी रहें। शुक्रवार को स्वर्गीय भोगीलाल पंड्या राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला परिषद सदस्य के लिए हुई मतगणना में कुल 05 राउंड हुए। मतगणना में बिहारी पांडोर ने निकटतम प्रतिद्वंदी मुकेश कुमार मालीवाड़ से 762 अधिक मत प्राप्त किये तथा विजयी रहें। इसी प्रकार सीमलवाड़ा पंचायत समिति सदस्य की वार्ड नम्बर 16 सीट पर तेजल ने जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निर्मला से 35 मत अधिक प्राप्त किये तथा विजयी रही। जिला परिषद् सदस्य प्रत्याशी बिहारी पांडोर ने कुल 7325 मत प्राप्त हुए वहीं प्रत्याशी तेजल को 1011 मत प्राप्त हुए। मतगणना के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर से अंकित कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश धाकड़ मतगणना केंद्र में मौजूद रहें वहीं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ तथा पुलिस उपाधीक्षक कानून तथा अन्य व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए लगातार मार्गदर्शन देते रहें। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे तथा समस्त प्रकोष्ठ प्रभारी एवं कर्मचारी अपने अनुभाग से संबंधित कार्य जिम्मेदारी से करते नजर आए।

जिले में उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी की हो नियमित मॉनिटरिंग

-फर्टिलाइजर्स डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स कमेटी की बैठक में दिये निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। फर्टिलाइजर्स डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स कमेटी की बैठक शुक्रवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने उपलब्धता और मांग की समीक्षा करते हुए कमेटी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी की नियमित मॉनिटरिंग करें। बैठक में जिला कलक्टर ने उर्वरकों की मांग का आंकलन करते हुए रिपोर्ट उच्च स्तर पर प्रेषित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आपूर्ति होने पर जिले के समस्त क्षेत्रों में उनकी आवश्यकता के अनुसार वितरण सुनिश्चित किया जाये। उर्वरकों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर अंकुश लगाने हेतु उर्वरक निरीक्षकों के माध्यम से प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से कम्पनियों को जिले में आपूर्ति हेतु निर्देशित मात्रा की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। सीजन के दौरान मांग बढ़ने की संभावना वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर राज्य स्तर पर अग्रिम सूचना देने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि विभागीय सिफारिशों के अनुसार किसानों को उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाये। जिले में लगातार और अधिक मात्रा में यूरिया क्रय करने वालों की सूचना पोर्टल से प्राप्त कर प्रति माह भौतिक सत्यापन किया जाये। जिले के सभी क्षेत्रों में समान रूप से उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये और कम उपलब्धता होने पर जमाबंदी के आधार पर राशनिंग करते हुए उर्वरकों का वितरण सभी किसानों में पारदर्शी रूप से समान रूप से किया जाये। बैठक में उन्होंने कहा कि यूरिया का गैर कृषि उपयोग एवं कालाबाजारी की रोकथाम हेतु औद्योगिक इकाईयों का सघन निरीक्षण कर कार्यवाही की जाये। साथ ही उर्वरकों के अवैध भण्डारण, कालाबाजारी, अनावश्यक टैगिंग की प्रभावी रोकथाम हेतु नियमित कार्यवाही विभागीय अधिकारी करें। जिला स्तर पर उर्वरकों के उचित प्रबंधन हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना करते हुए डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एसएसपी, यूरिया व एनपीके उर्वरकों के साथ-साथ जैव व कार्बनिक उर्वरकों के उपयोग तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जाये।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से मुख्यमंत्री शर्मा की मुलाकात

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को यहां सिविल लाइन स्थित उनके राजकीय निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुलाकात की। देवनानी और शर्मा की यह मुलाकात लगभग 1 घंटे 10 मिनट की रही। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोलहवीं विधानसभा के चतुर्थ सत्र से संबंधित विभिन्न विधायी कार्यों और राज्य से संबंधित विकास योजनाओं के बारे में चर्चा की। यह मुलाकात सत्र से पहले परंपरा अनुसार शिष्टाचार भेंट थी। मुख्यमंत्री शर्मा ने देवनानी को दुपट्टा पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी ने भी मुख्यमंत्री शर्मा का दुपट्टा पहनाकर, पुष्प गुच्छ और भारत के चक्रवर्ती सम्राट पुस्तक भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने शर्मा को अयोध्या के राम मंदिर का प्रसाद ग्रहण कराया।

जिले में कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना हेतु विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। वर्ष 2025-26 में स्थापित होने वाले कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना हेतु विचार-विमर्श करने के लिए शुक्रवार को कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सतीश शर्मा की अध्यक्षता में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, राजीविका, कृषक उत्पादक संगठन आदि की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. शर्मा ने कस्टम हायरिंग केंद्र की स्थापना हेतु आयोजित बैठक के संबंध में विस्तार पूर्वक बताते हुए कस्टम हायरिंग सेंटर के नए दिशा निर्देशों की जानकारी दी। इस वर्ष कस्टम हायरिंग सेंटर हेतु क्रय विक्रय सहकारी समिति, ग्राम सेवा सहकारी समिति, कृषक उत्पादक संगठन, आजीविका के क्लस्टर लेवल फेडरेशन से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। दस्तावेजों की जांच कर उन्हें कृषि आयुक्तालय प्रेषित किया जाएगा। कृषि अनुसंधान अधिकारी जगजीत सिंह संधूने कस्टम हायरिंग सेंटर पर अनुदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियां, क्लस्टर लेवल फेडरेशन एवं कृषक उत्पादक संगठन को कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना हेतु अनुमानित परियोजना लागत राशि 30 लाख रुपए का अधिकतम 80 प्रतिशत (अधिकतम राशि रुपए 24 लाख रुपए) तक का अनुदान देय होगा एवं परियोजना लागत पर अनुदान क्रेडिट लिंक्ड बैंक एंडेड के रूप में देय होगा। उन्होंने अनुदान पर दिए जाने वाले कृषि यंत्रों के चयन एवं निर्माता फर्मों के बारे में जानकारी दी।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली विक्रम सिंह भाटी ने आज गुरूवार को जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 96 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। इस दौरान सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इसके लिए सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। साथ ही इस बात की भी जानकारी ली गई कि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति जिला कारागृह में निरूद्ध न रहे। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल रेफर किया जाता है। निरीक्षण के दौरान कारापाल जिला कारागृह जोराराम, जेल विजिटिंग लॉयर अल्ताफ हुसैन, विनीता प्रजापत आदि उपस्थित रहे।

फ़तूही, मदेरा, खाटलबाना, कोनी व रोहिड़ावाली के विद्यालयों में नशा मुक्ति सुरक्षा कवच वितरित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के अंतर्गत फ़तूही, मदेरा, खाटलबाना, कोनी और रोहिड़ावाली के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को 'मुझे गर्व है, मैं नशा मुक्त हूँ' सुरक्षा कवच पॉकेट बैज वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों में वातावरण उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। बच्चों ने जेब पर यह बैज लगाते हुए शपथ ली कि वे स्वयं नशा मुक्त रहेंगे और अपने मित्रों व परिवार को भी नशे से दूर रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गर्व से यह बैज अपनी जेब पर लगाया और नशा मुक्त रहने का संकल्प लिया। शिक्षकों और प्राचार्यों ने विद्यार्थियों को समझाया कि यह बैज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि नशे से बचाव की अदृश्य ढाल है, जो हर दिन उन्हें अपने संकल्प की याद दिलाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विक्रम ज्याणी ने कहा कि यह बैज बच्चों के आत्मसम्मान का प्रतीक है।

सलमान ने लद्दाख में शुरू की बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग

मुंबई। सलमान खान के फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि सलमान ने अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म की पहली शूटिंग लद्दाख में शुरू हुई है। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। इस तस्वीर में सलमान खान नीले रंग के कपड़ों में दिख रहे हैं। हालांकि, उनका चेहरा नहीं दिख रहा है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर हर जगह वायरल हो चुकी है। इस तस्वीर के सामने आने से सलमान के प्रशंसकों में इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले मुंबई में शूटिंग को किसी कारण से स्थगित कर दिया गया था।

लाइफ Style

कृति

वेतन में समानता क्यों नहीं है?

कृति सेनन बॉलीवुड से जुड़े खास मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती है। हाल ही में वह फिल्म इंडस्ट्री के इनकम गैप के बारे में बात करती दिखीं। आज भी हीरो और हीरोइन की फीस में जमीन और आसमान का अंतर है। इस बारे में भी कृति सेनन अपनी राय रख रही हैं।

मुंबई।कृति सेनन ने अपने कॅरियर में वुमन ओरिएंटेड फिल्म भी की हैं। वह एक स्ट्रॉन्ग वुमन के रोल फिल्मों में करती हैं। असल जिंदगी में भी ऐसी ही हैं। कृति का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में इनकम गैप नहीं होनी चाहिए। लेकिन मौजूदा स्थिति ऐसी ही है, यह बात कृति को बहुत चुभती है। कृति सेनन कहती हैं, 'मुझे समझ नहीं आता कि वेतन (इनकम) में समानता क्यों नहीं है? क्योंकि, कुछ खास तरह के रोल, कुछ खास तरह के कामों के लिए, चाहे आप पुरुष हों या महिला, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरा मानना है कि वेतन एक जैसा होना चाहिए। फिल्मों में भी ऐसा ही होना चाहिए। हम बहुत लंबे समय से इस पर बात करते आ रहे हैं, यकीन मानिए यह बात (इनकम गैप) हमें सबसे ज्यादा चुभती है। कृति सेनन आगे कहती हैं, 'भले ही कोई फिल्म वुमन सेंट्रिक हो, मुझे लगता है कि उसका बजट उस फिल्म जितना नहीं होता, जो हीरो सेंट्रिक होती है। प्रोड्यूसर डरते हैं कि उन्हें वुमन सेंट्रिक फिल्मों से उतना पैसा वापस नहीं मिलेगा। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सर्कल है, जहां वुमन सेंट्रिक फिल्में, हीरो सेंट्रिक फिल्मों जितना नहीं कमा पाती हैं। इस वजह से कई लोगों को ऐसा लगता है कि हीरो की फीस ज्यादा है और हीरोइन की कम।'कृति सेनन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल आनंद एल राय निर्देशित फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी।

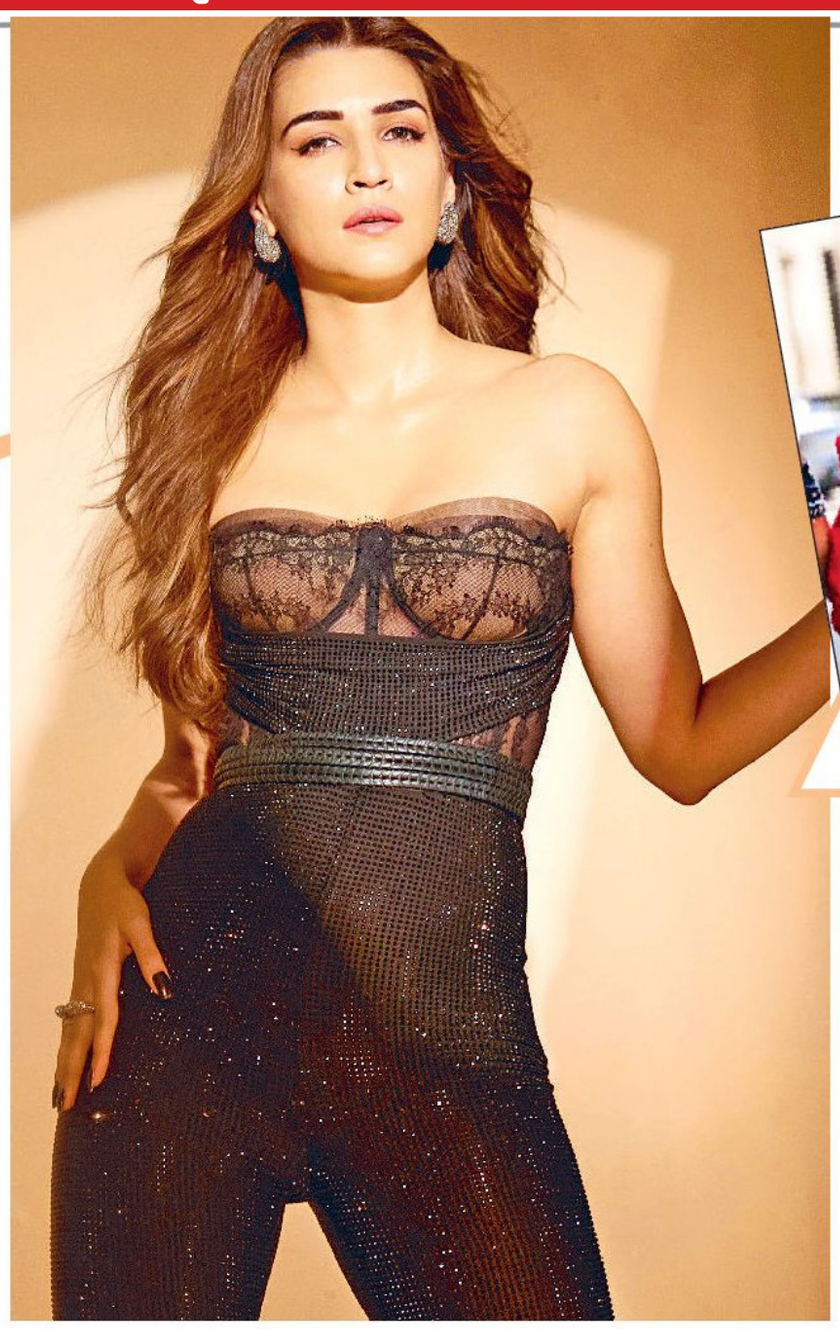

हॉलीवुड मसाला

एमिली की जिंदगी में होगा ड्रामा

लॉस एंजिल्स। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कई सीरीज ने कब्जा किया है। इनमें से एक अमेरिकन कॉमेडी ड्रामा एमिली इन पेरिस भी शामिल है। चार हिट सीजंस के बाद एमिली इन पेरिस का पांचवां सीजन आ रहा है। हाल ही में, एमिली इन पेरिस सीजन 5 की रिलीज डेट अनाउंस की गई है। पांचवां सीजन इसी साल दिसंबर में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाला है। बात करें सीरीज की कास्ट तो इसमें मिली कॉलिन्स के अलावा लीड रोल में लुकास ब्रेवो, एशली पार्क, कैमिली रजात, लूसियन लेविसकाउंट और यूजेनियो फ्रांसेचिनी जैसे कलाकार हैं।

एम्परर ऑफ सैंड और वन्स मोर राउंड द सन से हुए प्रसिद्ध

लॉस एंजिल्स। ग्रैमी पुरस्कार विजेता और हेवी मेटल बैंड मैस्टोडॉन के पूर्व गायक-गिटारिस्ट ब्रेंट हिंड्स का अटलांटा में एक मोटरसाइकिल दुर्घटना में निधन हो गया। उन्होंने 52 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। विलियम ब्रेंट हिंड्स एक अमेरिकी संगीतकार थे, जो अटलांटा हेवी मेटल बैंड मैस्टोडॉन के प्रमुख गिटारिस्ट के रूप में जाने जाते थे। मैस्टोडॉन के दो एल्बम काफी प्रसिद्ध हुए थे, जिनमें एक 2017 का 'एम्परर ऑफ सैंड' है और दूसरा 2014 में आया 'वन्स मोर राउंड द सन' है। साथ ही आपको बताते चलें कि ब्रेंट ने साल 2025 के मार्च महीने में बैंड छोड़ दिया था। उनके जाने का कोई कारण नहीं बताया गया। हालांकि, बैंड ने कहा था कि उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया था।

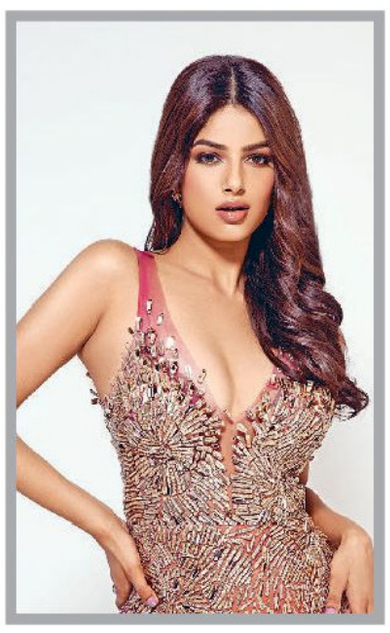

टाइगर और हरनाज की सिजलिंग केमिस्ट्री

मुंबई। शुक्रवार को 'बागी 4' के निर्माताओं ने फिल्म का एक और धमाकेदार गाना 'बहली सोहनी' रिलीज कर फैंस को खुश कर दिया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के हॉट मूव्ज और हरनाज के सिजलिंग डांस ने फैंस का दिल जीत लिया है। टाइगर श्रॉफ ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म बागी 4 के लेटेस्ट गाने 'बहली सोहनी' को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, जब धड़कन कम हो जाती है।.. और वाइब हिट हो जाता है।. यह अब केवल संगीत नहीं है - यह 'बहली सोहनी' है। सॉन्ग आउट हो गया है। 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टाइगर और हरनाज के फैंस को उनका यह गाना शानदार लग रहा है। दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। एक फैन ने लिखा, शानदार, एक और फैन ने लिखा, जबरदस्त डांस, तो वहीं कई फैंस ने लाल दिल वाले और फायर इमोजी बनाए हैं।

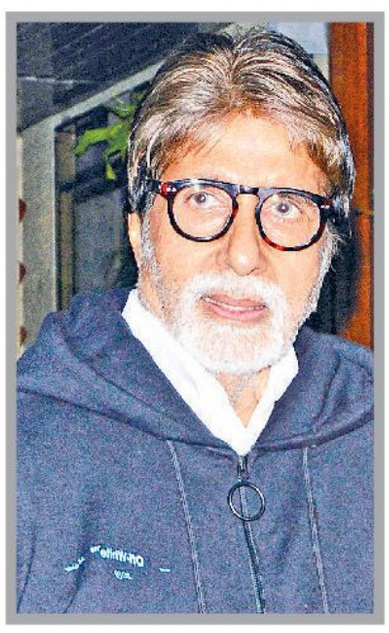

अमिताभ ने केबीसी कंटेस्टेंट संग किया फ्लर्ट

मुंबई। 'कौन बनेगा करोड़पति 17' का प्रोमो वायरल हो रहा है, जिसमें अमिताभ बच्चन महिला कंटेस्टेंट के साथ फ्लर्ट करते नजर आ रहे हैं। अमिताभ कंटेस्टेंट को पानी पिलाने के बाद नैपकिन देते हैं और फिर होठों का जिक्र करते हैं। शायद ही किसी ने अमिताभ बच्चन को ऑनस्क्रीन या पब्लिकली फ्लर्ट करते हुए देखा होगा, पर 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में उन्होंने ऐसा किया। हॉट सीट पर बैठी कंटेस्टेंट के साथ 82 साल के अमिताभ बच्चन ने ऐसा फ्लर्ट किया कि सबकी हंसी छूट गई। वहीं, उनके वन लाइनर ने फैंस का दिल जीत लिया। यह एपिसोड जल्द ही आएगा, जिसका मेकर्स ने प्रोमो रिलीज किया है और यह वायरल हो रहा है। कौन बनेगा करोड़पति 17 के आने वाले एपिसोड में हॉटसीट पर नासिक की विजय चड्ढा बैठीं। उनकी उम्र 60 के आसपास होगी।

टीवी मसाला

बिग बॉस 19 में दिखेंगे टीवी, फिल्मों और मॉडलिंग से जुड़े सेलेब्स

नई दिल्ली। सलमान खान का चर्चित शो 'बिग बॉस 19' रविवार 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। हमेशा चर्चाओं में रहने वाला 'बिग बॉस' इस साल भी ऑडियंस के लिए बड़े सरप्राइज लेकर आने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार घर में टीवी, फिल्मों, मॉडलिंग और म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े कई बड़े नाम नजर आ सकते हैं। इनमें कुछ चेहरे ऐसे हैं, जो विवादों की वजह से भी सुर्खियों में रहे हैं। अभी तक कंटेस्टेंट के फाइनल नाम सामने नहीं है। हालांकि, कुछ नामों को लेकर चर्चाएं जरूर चल रही हैं। 90 के दशक से एक्टिव कुनिका सदानंद अपनी बोल्ड छवि और तेजतर्रार स्वभाव के लिए जानी जाती हैं। पोलैंड से ताल्लुक रखने वाली नतालिया जानोशेक बॉलीवुड और रीजनल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उनका ग्लैमरस अंदाज और पर्सनालिटी उन्हें बाकी कंटेस्टेंट्स से अलग बना सकता है। अभी तक उनका नाम किसी बड़े विवाद से नहीं जुड़ा है। अशनूर कौर बचपन से ही टीवी की दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा हैं और सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। उन्होंने फिल्मों में भी काम किया है।

गांववालों की पसंदीदा बनीं कृष्णा श्रॉफ

नई दिल्ली। कृष्णा श्रॉफ लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह 'छोरियां चली गांव' की सबसे दिलचस्प कंटेस्टेंट्स में से एक हैं। हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट्स को एक बेहद रोमांचक अनुभव का सामना करना पड़ा। चुनौती—बमूलिया गांव के लोगों को संवारने का एक फुल मेकओवर टास्क. मालिश, हेयरकट, शेविंग और स्टाइलिंग जैसे कामों के जरिए लड़कियों को अपनी सीमा से बाहर जाकर गांववालों का विश्वास जीतना था। जहां कई कंटेस्टेंट्स इस चुनौती से घबराए हुए दिखे, वहीं कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर अपने निडर रवैये और लोगों से जुड़ने की गहरी क्षमता से सबका ध्यान खींचा। उन्हें शेविंग और आइब्रो शेपिंग जैसी सलून सेवाएं दी गईं—जो उन्होंने पहले कभी नहीं की थीं। फिर भी कृष्णा ने बिना झिझके इस चुनौती को स्वीकार किया और इसे पूरे परफेक्शन के साथ पूरा किया। इस पल को और भी खास बना दिया कृष्णा की एक पुरानी याद ने।

दुनिया की वो बड़ी फ्लॉप फिल्म, बजट 98 मिलियन डॉलर, नुकसान 147 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली। दुनियाभर में कई फिल्में रिलीज होती है। कुछ फिल्मों को बनाने में मेकर्स पानी की तरह पैसा बहाते हैं। तो कुछ फिल्मों को कम बजट में बनाकर मालामाल हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसी फिल्म के बारे में बताएंगे जो बॉक्स ऑफिस पर आते ही धड़ाम हो गई। इस फिल्म का बज तो ज्यादा था, लेकिन उतना ही मुंह के बल फिल्म गिरी। इस फिल्म को बनाने के बाद मेकर्स का बुरा हाल हो गया। 2 घंटा 4 मिनट की इस फिल्म का नाम 'कटथ्रोट आइलैंड' है। ये फिल्म 1995 में आई थी यानी कि आज से 30 साल पहले। इस मूवी को बनाने में मेकर्स ने अपनी तिजोरी खोल दी थी। मेकर्स को ऐसी उम्मीदें थी कि इस फिल्म को बनाने के बाद वो मालामाल हो जाएंगे। लेकिन, हुआ इसका ठीक उल्टा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस की महाफ्लॉप फिल्म कहा जाता है। यहां तक कि इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जिसे साल 2012 तक की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म माना गया। इस फिल्म का बजट करीबन 98 मिलियन डॉलर था यानी कि भारतीय करंसी में 8,57,60,29,000.00 में बनकर तैयार हुई थी।

महाफ्लॉप मूवी

ये एक एंडवेंचरस फिल्म थी, जिसका निर्देशन रेनी हार्लिन ने किया था। इस फिल्म में लीड स्टार्स में गीना डेविस, मैथ्यू मोडिन , फ्रैंक लैंगेला, मॉरी चायकिन और पैट्रिक मालाहाइड थे। इस फिल्म की कहानी महिला समुद्री डाकू और उसके साथी की है। वो एक खजाने वाले द्वीप को ढूंढते और अपने विरोधियों का सामना करते हैं। इस फिल्म को आईएमडीबी पर 5.7 की रेटिंग है। इसे आप फ्री में यूट्यूब पर देख सकते हैं।

10 मिलियन यूएस डॉलर कलेक्शन: जबकि फिल्म ने 10 मिलियन यूएस डॉलर यानी कि भारतीय करंसी में 87,52,75,000 का कलेक्शन कर पाई थी। लिहाजा, इस फिल्म को 147 मिलियन डॉलर यानी कि भारतीय करंसी में 12,86,52,14,560.80 का नुकसान हुआ।

एक दीवाने की दीवानियत का टीजर जारी, दिखेगी इंटेंस लव स्टोरी

मुंबई। अभिनेता हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा कि रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत'का टीजर शुक्रवार को रिलीज हो गया है। टीजर में दोनों एक दूसरे के प्यार में खोए नजर आए हैं। फिल्म में एक इंटेंस लव स्टोरी नजर आएगी। मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित 'एक दीवाने की दीवानियत' 21 अक्टूबर को दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। टीजर की शुरुआत जोरदार बारिश के सीन से होती है, जहां सभी लोग छाता लिए हुए खड़े हैं। इसके बाद हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की झलक दिखती है। इस बीच हर्षवर्धन राणे की आवाज में वॉइस ओवर आता है, जिसमें वो कहते हैं 'तेरे लिए मेरा प्यार तेरा भी मोहताज नहीं। ये मरते दम तक रहेगा, सिर्फ आज नहीं।'इसके बाद हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की लव स्टोरी से लेकर उनके बिछड़ने तक की कहानी देखने को मिलती है। टीजर को देखकर पता चलता है कि हर्षवर्धन राणे एक बार फिर एक इंटेंस लव स्टोरी लेकर आए हैं, जिसमें प्यार और रोमांस से लेकर दर्द और नफरत तक देखने को मिलेगी। टीजर में एक के बाद एक कई शायराना अंदाज के डायलॉग हैं।

जिन गीतों को हम गुनगुनाते हैं, उनके पीछे की है एक कहानी

वेटर को आवाज लगाने से बन गया ऐसा गाना, जिसका जादू आज भी है बरकरार

नई दिल्ली। संगीत कहां नहीं है? जरूरत है तो बस उस पल को, उस धुन को सुनने की, जो हमारे आसपास की हर बेपरवाह आवाज में है। पानी की टपकती बूंदों में, पत्तों की फड़फड़ाहट में, किसी के कदमों की आहट में, ट्रैफिक में फंसी गाड़ियों के हॉर्न में, हर शोर के कोने में एक संगीत छुपा है। जिन गीतों को हम गुनगुनाते हैं, वो जो दिल को छू जाते हैं, कभी अपनी धुन से, तो कभी अपने बोल से, उन सब गीतों के बनने के पीछे की एक कहानी है। ये कहानियां कभी म्यूजिक स्टूडियो की बंद दीवारों में सजती हैं, तो कभी पहाड़ों की कोख में गुनगुनाती धूप में। आज हम यहां एक ऐसे ही हिंदी गाने के बनने का किस्सा बताने जा रहे हैं, जिसकी प्रक्रिया बड़ी दिलचस्प रही। एक ऐसा गाना, जिसका आगाज एक चाय की दुकान में वेटर को आवाज लगाने से शुरू हुआ। वो वेटर तो इस गीत को बनाने वालों के पास देर से पहुंचा, लेकिन हिंदुस्तानी सिनेमा को ऐसा गीत दे गया, जिसका जादू 70 साल बाद भी बदस्तूर बरकरार है।

हिंदी गीत में तेलुगू की छाप

यह गाना इसलिए भी खास है कि इस हिंदी गीत में तेलुगू की छाप है। लेकिन, मजेदार बात यह भी कि शायद ही इसे सुनने वालों ने कभी इस ओर ध्यान दिया। यही इसके संगीत और अंदाज का जादू भी है। जिसने इसे सुनने वालों को बस बहने दिया, बिना यह पूछे कि वो जो गा-गुनगुना रहे हैं, उसका मतलब है क्या? हम बात कर रहे हैं कि फिल्म 'श्री 420' के सुपरहिट गाने 'रमैया वस्तावैया' की, जिसमें 'वस्तावैया' एक तेलुगू शब्द है। वैसे, इस नाम 'रमैया वस्तावैया' से 2013 में एक फिल्म भी बनी थी। साल 2023 में शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में भी इसका इस्तेमाल हुआ और गाना 'नॉट रमैया वस्तावैया' बनाया गया। खैर, कहानी शुरू से शुरू करते हैं। यह बात है 50 के दशक की। तब राज कपूर अपने प्रोडक्शन हाउस 'आरके फिल्म्स के बैनर तले 'श्री 420' बना रहे थे। राज कपूर, नरगिस और नादिरा स्टारर इस फिल्म में शंकर-जयकिशन की जोड़ी ने संगीत दिया है।

खंडाला के होटल में वेटर था रमैया

बात कुछ यूं आगे बढ़ी कि खंडाला में शंकर, जयकिशन, शैलेंद्र और हसरत जयपुरी, चाय-नाश्ते के लिए सड़क किनारे एक होटल में रुकते थे। यह शंकर की पसंदीदा चाय की दुकान थी। शंकर का पूरा नाम, शंकर सिंह राम सिंह रघुवंशी था और उनका जन्म हैदराबाद में हुआ था। खंडाला के उस होटल में एक वेटर था रमैया, वह तेलुगू था। शंकर उससे इसी भाषा में बात करते थे। उस दिन भी चारों जब होटल में बैठे तो शंकर ने रमैया को ऑर्डर देने के लिए आवाज लगाई। तेलुगू में 'वस्तावैया' का मतलब 'यहां आओ' होता है। शंकर ने उस वेटर को आवाज दी- रमैया वस्तावैया। बताया जाता है कि तब रमैया किसी और का ऑर्डर लेने में व्यस्त था। उसने शंकर की ओर रुकने का इशारा किया। जब थोड़ी देर बाद भी वह नहीं आया, तो शंकर थोड़े अधीर हो गए। उन्होंने एक सुर में कई बार कहा- रमैया वस्तावैया, रमैया वस्तावैया, रमैया वस्तावैया...

इस पर तो पूरा गीत बनता है

अब मामला कुछ ऐसा बना कि ये दोनों लाइनें चारों को बड़ी सुरीली लगीं। खैर, रमैया आया, ऑर्डर दिया गया। जब ये चारों वापस मुंबई लौटे तो राज कपूर साहब को ये धुन और बोल सुनाए गए। वह भी इससे बड़े प्रभावित हुए। तय हुआ कि इसे बढ़ाया जाए और एक पूरा गीत बनाया जाए। शैलेंद्र कलम लेकर बैठ गए। शंकर-जयकिशन तबला और हारमोनियम लेकर। इस बीच मन में यह खयाल भी आया कि शायद 'रमैया वस्तावैया' हिंदी के दर्शकों को समझ नहीं आए। लेकिन फिर इसे बदलने लायक कोई दूसरा उपयुक्त शब्द नहीं मिला। इसलिए, मूल तेलुगू शब्द को ही रखा गया।

गाने हुए बंपर हिट

साल 1995 में जब श्री 420'फिल्म रिलीज हुई तो इसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। इसने उस दौर 3.9 करोड़ रुपए का ग्रॉस बिजनस और 2.00 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। वैसे तो फिल्म के सभी 8 गाने हिट हुए। लेकिन, दो गीत प्यार हुआ इकरार हुआ और रमैया वस्तावैया को हिंदी सिनेमा में 'कल्ट' का दर्जा मिला। लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी और मुकेश की आवाज ने जादू चलाया। कुल मिलाकर खंडाला के चाय की उस दुकान पर, रमैया वेटर को आवाज लगाने और इंतजार के पल से एक ऐसा गीत बना, जो आज 70 साल बाद भी दिल हो छू जाता है।

महिला वर्ल्ड कप : चिन्नास्वामी स्टेडियम से छीनी मैचों की मेजबानी, नवी मुंबई में होंगे मुकाबले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगले महीने शुरू होने वाले महिला एक दिवसीय विश्व कप के बेंगलुरु में होने वाले मैच अब नवी मुंबई में खेले जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अप्रत्याशित परिस्थितियों का हवाला देते हुए शुक्रवार को यह घोषणा की। यह निर्णय बेंगलुरु स्थित एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के आवश्यक प्रशासनिक और सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करने में विफल रहने के बाद लिया गया। इस कारण चिन्नास्वामी स्टेडियम 30 सितंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी के लिए अयोग्य हो गया है। नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम अब टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच, सेमीफाइनल और संभवतः दो नवंबर को होने वाले फाइनल सहित पांच मैचों की मेजबानी करेगा।

कार्यक्रम में हुआ बदलाव

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने बयान में कहा, 'हालांकि अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण हमें कार्यक्रम में बदलाव करते एक स्थान बदलना पड़ा, लेकिन अब हमें खुशी है कि हमारे पास पांच विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे।' उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को नए पंख लगाएगा और प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।'

स्टेडियम के बाहर हुई थी भगदड़

बेंगलुरु को महिला वनडे विश्व कप के आयोजन स्थलों से बाहर करने का निर्णय चार जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के बाद लिया गया है, जिसमें 11 प्रशंसकों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद से स्टेडियम में कोई मैच नहीं हुआ है।

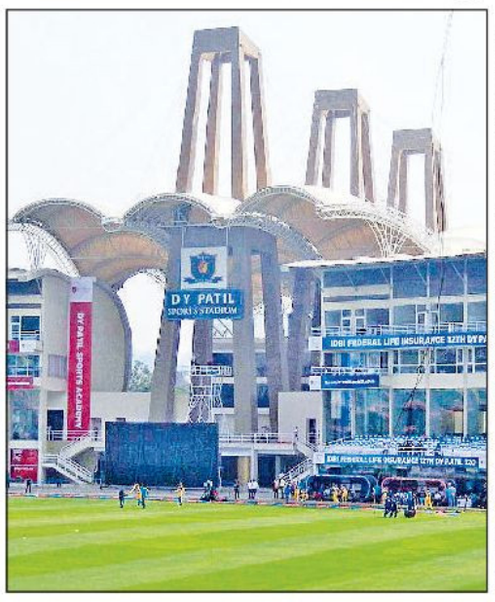

केएससीए नहीं कर पाए सुरक्षा मंजूरी प्राप्त

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को विश्व कप के लिए आवश्यक सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करने का निर्देश दिया। लेकिन वह मंजूरी हासिल नहीं कर पाया, जिसके कारण उसे विश्व कप के मैचों की मेजबानी से हाथ धोना पड़ा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के अन्य स्थानों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए तटस्थ स्थल कोलंबो

कोलंबो भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए तटस्थ स्थल है, क्योंकि दोनों देशों ने बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं के लिए भी एक-दूसरे का दौरा न करने का निर्णय लिया है। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बनी सहमति के अनुसार, 2027 तक आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत-पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

डूरंड कप : चैंपियन को मिलेंगे रिकॉर्ड 1.21 करोड़

कोलकाता। डूरंड कप के मौजूदा 134 वें सत्र के चैंपियन को 1.21 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी, जो एशिया के इस सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के 137 साल के इतिहास में विजेता टीम के लिए सबसे बड़ी राशि है। डूरंड कप आयोजन समिति (डीसीओसी) ने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल की पूर्व संध्या पर इसकी घोषणा की। विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले फाइनल में गत विजेता नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का सामना प्रतियोगिता में पदार्पण कर रही डायमंड हार्बर एफ से होगा। डीसीओसी ने इस साल की शुरुआत में पुरस्कार राशि में 250 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की थी। पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 1.2 करोड़ रुपए थी। इस साल इस बढ़ाकर रिकॉर्ड तीन करोड़ रुपए कर दी गई है। 23 जुलाई को शुरू हुए टूर्नामेंट में 24 टीमों ने भाग लिया, जिसमें से आठ टीमें नॉकआउट चरण में पहुंची।

डीपीएलः वेस्ट दिल्ली लायंस की शानदार जीत

नई दिल्ली। अनिरुद्ध चौधरी ने आखिरी ओवर में सात रन का अच्छी तरह से बचाव करके वेस्ट दिल्ली लायंस को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में सेंट्रल दिल्ली किंग्स पर तीन रन से रोमांचक जीत दिलाई। किंग्स के सामने 179 रन का लक्ष्य था और वह इसे हासिल करने की तरफ अच्छी तरह से बढ़ रहा था। उसे अंतिम ओवर में सिर्फ सात रन चाहिए थे, लेकिन चौधरी ने केवल तीन रन दिए और कप्तान जोंटी सिद्धू (41 गेंदों पर 56 रन) को आउट कर लायंस को यादगार जीत दिलाई। चौधरी ने तीन ओवर में 24 रन लेकर एक विकेट लिया लेकिन उनका अंतिम ओवर निर्णायक साबित हुआ।

न्यूलैंड्स में होगा एसए20 का फाइनल

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की घरेलू टी20 लीग एसए20 के आगामी सत्र का फाइनल मैच केपटाउन के न्यूलैंड्स में होगा, जिसमें डरबन, सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग जैसे स्थानों पर प्लेऑफ के अहम मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह जानकारी दी। लीग का चौथा सत्र 26 दिसंबर से शुरू होगा। डरबन एसए20 में पहली बार किसी प्लेऑफ मैच की मेजबानी करेगा, जब प्रतियोगिता की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें 21 जनवरी को क्वालीफायर एक में आमने-सामने होंगी। हाईवेल्ड क्षेत्र दो महत्वपूर्ण प्लेऑफ मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें सेंचुरियन 22 जनवरी को एलिमिनेटर और जोहानिसबर्ग के वांडरर्स 23 जनवरी को क्वालीफायर दो के मैच शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के युवा बल्लेबाज ने खेली बेहतरीन अर्धशतकीय पारी

ब्रीट्जके ने पहले चार वनडे में लगातार लगाए 4 अर्धशतक, बनाया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में साउथ अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 78 गेंद में 88 रनों की दमदार पारी खेली। इसके साथ ही ब्रीट्जके ने वनडे क्रिकेट के इतिहास में ऐसा कारनामा कर दिया, जो इससे पहले कभी नहीं हुआ था।

दरअसल मैथ्यू ब्रीट्जके अपने करियर के पहले चार वनडे में लगातार 4 अर्धशतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वनडे क्रिकेट में ऐसा करने वाले मैथ्यू ब्रीट्जके दुनिया के पहले बल्लेबाज बने हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, ब्रीट्जके के नाम वनडे में पहली चार पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का भी रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

ब्रीट्जके की वनडे क्रिकेट में शानदार शुरुआत

मैथ्यू ब्रीट्जके ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था। उस मैच में मैथ्यू ने 150 रनों की पारी खेली थी। यह वनडे डेब्यू पर खेली गई किसी भी प्लेयर की सबसे बड़ी पारी है। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ फिर उन्होंने 83 रनों की पारी खेली। वहीं अब ब्रीट्जके ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 57 रन बनाए। इसके बाद दूसरे वनडे में 88 रनों की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। ब्रीट्जके वनडे इतिहास में पहले खिलाड़ी बने, जिसने अपने शुरुआती चारों वनडे मैचों में 50 या उससे ज्यादा रन बनाए।

सीरीज पर साउथ अफ्रीका ने किया कब्जा

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे वनडे मैच में रनों से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 98 रनों से जीता था। अब दूसरा वनडे जीतकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 277 रन बनाए। ब्रीट्जके ने 88 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 74 रनों की पारी खेली। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 193 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका ने दूसरा मैच 84 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम कर लिया। साउथ अफ्रीका की तरफ से लुंगी एंगिडी ने 5 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश इंग्लिस ने 74 गेंदों में 87 रनों की पारी खेली। लेकिन दूसरे छोर से ज्यादा साथ नहीं मिला, जिसकी वजह से वो टीम को जीत दिलाने में नाकामयाब रहे।

पहले 4 में ब्रीट्जके के नाम सबसे ज्यादा रन

वनडे क्रिकेट में ब्रीट्जके ने धमाकेदार शुरुआत की है। ब्रीट्जके वनडे में पहली चार पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का कारनामा किया है। ब्रीट्जके अपने करियर के पहले चार मैच में 378 रन बना दिए। इस मामले में उन्होंने अपने ही देश के सीनियर खिलाड़ी टेम्बा बावुमा को पीछे छोड़ा है। टेम्बा ने अपने पहले चार वनडे मैच में 280 रन बनाए थे। इसके अलावा एलन लैम्ब 279 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं जबकि निक नाइट ने 277 रन बनाए थे।

पहले चार वनडे में सबसे ज्यादा रन

मैथ्यू ब्रीट्जके	378
टेम्बा बावुमा	280
एलन लैम्ब	279
निक नाइट	277
टॉम कूपर	273

वहीं मैथ्यू ब्रीट्जके के की पहली चार वनडे पारियों की बात करें तो उन्होंने अपने वनडे डेब्यू में ही रिकॉर्ड बना दिया था। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रनों की तूफानी पारी खेली। इसके बाद अपने दूसरे मैच पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 83 रनों की पारी खेली थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 57 और अपने चौथे मैच में उन्होंने 88 रनों की पारी खेली है।

बीसीसीआई सलेक्शन कमेटी में नए लोगों की होगी भर्ती

दो पुरुष और चार महिला चयनकर्ता के लिए आवेदन आमंत्रित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पांच सदस्यीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति में दो पदों के साथ-साथ महिला पैनल में चार पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। चयनकर्ता पद के लिए पात्रता मानदंडों में पिछले कुछ वर्षों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आवेदकों को कम से कम सात टेस्ट मैच या 30 प्रथम श्रेणी मैच खेलने चाहिए। इसके अलावा कम से कम 10 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच और 20 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले उम्मीदवारों के नाम पर भी विचार किया जा सकता है।

प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'चयनकर्ताओं के अनुबंध का हर साल नवीनीकरण किया जाता है। हमने अभी तक यह तय नहीं किया है कि किन चयनकर्ताओं को बदला जाएगा, लेकिन यह प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी।' वर्तमान में पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजीत अगरकर हैं और इसमें एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरथ शामिल हैं। इस समिति ने हाल में एशिया कप के लिए टीम का चयन किया था। बोर्ड ने इसके अलावा पुरुष जूनियर क्रिकेट चयन समिति में एक पद को भरने के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए हैं, जो शिविरों, दौरों और टूर्नामेंटों के लिए आयु वर्ग की टीमों (अंडर-22 तक) का चयन करने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

श्यामा को रखा जाएगा समिति में बरकरार

बीसीसीआई ने महिला राष्ट्रीय चयन समिति के चार पदों के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए हैं। वर्तमान चयन समिति में नीतू डेविड (अध्यक्ष), रेणु मार्गेट, आरती वैद्य, कल्पना वेंकटचार और श्यामा डे साव शामिल हैं। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि साव ही एकमात्र ऐसी सदस्य हैं, जिन्हें समिति में बरकरार रखा जाएगा। वर्तमान समिति ने मंगलवार को वनडे विश्व कप के लिए टीम का चयन किया था। वनडे विश्व कप अगले महीने से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। सभी आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर है।

मुंबई फिडे क्लासिकल टूर्नामेंट

अय्यर ने जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अरविंद अय्यर ने आठ दौर में सात अंक हासिल कर दर्श शेट्टी को पछाड़ते देते हुए ऑल इंडिया शतरंज मास्टर्स मुंबई फिडे क्लासिकल टूर्नामेंट जीत लिया। हालांकि अय्यर और शेट्टी दोनों ने सात-सात अंक बनाए थे।

लेकिन अय्यर ने 'सुपर बुचोल्ज टाई-ब्रेक' में चैंपियनशिप जीत ली। शेट्टी उपविजेता रहे जबकि अंतरराष्ट्रीय मास्टर विक्रमादित्य कुलकर्णी ने 6.5 अंक हासिल करके तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता को 40 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिला। महिला वर्ग में महिला कैंडिडेट मास्टर कृति मयूर पटेल को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया जबकि रेया बैंकर और प्रदीपा जयपाल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं 'वेटरंस' वर्ग में विनोद चतुर्वेदी पहले स्थान पर रहे। उनके बाद गुरु प्रसाद पाटिल और अशोक गोविंदराव पाटिल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने खेला ड्रा

सेंट लुई (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञाननंदा ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में अमेरिका के सैमुअल सेविरान के साथ अंक बांटे जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बीच मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने दिन के एकमात्र निर्णायक गेम में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिस्तोफ के साथ तथा फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। अभी जबकि पांच दौर का खेल होना बाकी है तब कारुआना तीन अंक के साथ एकल बढ़त पर हैं। उनके बाद प्रज्ञाननंदा और अरोनियन का नंबर आता है, जो 2.5-2.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वेस्ली, फिरोजा, वाचियर-लाग्रेव, सेविरान और गुकेश दो-दो अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। डूडा उनसे आधा अंक पीछे हैं जबकि अब्दुसत्तोरोव आधे अंक के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं।

सिंकफील्ड कप

केरल के त्रिकूद एथलीट कार्तिक ने स्वर्ण जीता

चेन्नई। केरल के त्रिकूद एथलीट कार्तिक उन्नीकृष्णन ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस महीने की शुरुआत में भुवनेश्वर में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर की स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले 32 वर्षीय कार्तिक ने बारिश से प्रभावित दिन में अपने छठे और अंतिम प्रयास में 16.44 मीटर के साथ सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। केरल के एक अन्य एथलीट अब्दुल्ला अबूबाकर 16.37 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रवीण चित्रावेल ने 16.35 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। चौबीस वर्षीय चित्रावेल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 17.37 मीटर है। वह 17.22 मीटर के स्वतः प्रवेश मानक को पार कर अगले महीने तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में कांस्य और इस साल मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में रजत जीता था।

गौहर ने 2008 में किया था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण

स्पिनर गौहर सुल्ताना ने क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की बाएं हाथ की स्पिनर गौहर सुल्ताना ने क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया और कहा कि खेल के शीर्ष स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए 'सबसे बड़ा सम्मान' है। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। सुल्ताना ने भारत की तरफ से 50 एकदिवसीय और 37 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने आखिरी बार अप्रैल 2014 में देश का प्रतिनिधित्व किया था। वह इस बीच हालांकि घरेलू क्रिकेट में खेलती रही तथा उन्होंने 2024 और 2025 में महिला प्रीमियर लीग में यूपी वारियर्स का प्रतिनिधित्व किया था।

वनडे में 19.39 की औसत से लिए 66 विकेट

सुल्ताना ने संन्यास की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'विश्व कप और विभिन्न दौरों में शीर्ष स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इनमें मेरे कौशल और जज्बे की भी परीक्षा हुई।' उन्होंने कहा, 'हर विकेट, मैदान में हर डाइव, टीम के साथियों के साथ हडल (मैदान पर घेरा बनाना) ने मुझे एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में निखारने में मदद की।' सुल्ताना ने एकदिवसीय मैचों में 19.39 की औसत से 66 विकेट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 26.27 की औसत से 29 विकेट लिए। उन्होंने 2009 और 2013 में दो एकदिवसीय विश्व कप खेले और 11 मैचों में 12 विकेट लिए। सुल्ताना ने 2009 से 2014 तक तीन टी-20 विश्व कप में भी हिस्सा लिया और सात विकेट हासिल किए। सुल्ताना वर्तमान में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की लेवल दो कोच हैं।

बांग्लादेश का राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भाग लेने से इनकार

अहमदाबाद। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) ने शुक्रवार को कहा कि आगामी राष्ट्रमंडल सीनियर, जूनियर और युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 28 देशों के 291 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे लेकिन बांग्लादेश ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। यह टूर्नामेंट 25 से 30 अगस्त को यहां आयोजित होगा। यह चैंपियनशिप ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट है और आईडब्ल्यूएलएफ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने घोषणा की कि इसका आयोजन नारनपुरा क्षेत्र में नवनिर्मित वीर सावरकर खेल परिसर में किया जाएगा। यादव ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, "भारत के 44 खिलाड़ियों सहित 28 राष्ट्रमंडल देशों के 291 खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे जिसमें विभिन्न वर्गों में 144 पदक (72 पुरुषों के लिए और 72 महिलाओं के लिए) दांव पर हैं।"

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप : फाइनल में बनाया 253.6 का स्कोर

एलावेनिल का जलवा, 10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| शिमकेंट (कजाकिस्तान)

भारतीय निशानेबाज एलावेनिल वलारिवान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 16वीं एशियाई चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 253.6 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप में भी शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह उनका एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने 2019 में ताइवान में स्वर्ण पदक जीता था।

चीन की शिनलू पेंग ने रजत और कोरिया की यूंजी क्वोन ने जीता कांस्य पदक

मेहुली घोष चौथे स्थान पर रहीं

चीन की शिनलू पेंग ने 253 अंक के साथ रजत पदक जबकि कोरिया की यूंजी क्वोन (231.2) ने कांस्य पदक जीता। यह वलारिवान का मौजूदा प्रतियोगिता में पहला व्यक्तिगत पदक है। इससे पहले उन्होंने टीम स्पर्धाओं में रजत और कांस्य पदक जीता था। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मेहुली घोष आठ निशानेबाजों के फाइनल में 208.9 अंक हासिल करके चौथे स्थान पर रहीं। वलारिवान ने 630.7 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। घोष पहले 630.3 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रही थीं, लेकिन उनसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली भारत की दो अन्य खिलाड़ी आर्या बोरसे (633.2) और सोनम मस्कर (630.5) के केवल रैंकिंग अंकों के लिए खेलने के कारण उन्हें फाइनल में जगह मिल गई।

भारत तालिका में शीर्ष पर

वलारिवान का पदक वर्तमान प्रतियोगिता में भारत के लिए दूसरा सीनियर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है, जहां देश अपने जूनियर निशानेबाजों के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत तालिका में शीर्ष पर है। अनंतजीत सिंह नरुका ने पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में भारत को पहला सीनियर स्वर्ण पदक दिलाया था। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इस बीच भारत के जूनियर निशानेबाजों ने अपना दबदबा बनाए रखा।

शाम्भवी, हृदय श्री और ईशा की तिकड़ी ने जीता गोल्ड

शाम्भवी श्रवण, हृदय श्री कोंडूर और ईशा अनिल की तिकड़ी ने महिलाओं की जूनियर 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में टीम स्पर्धा में 1896.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो जूनियर विश्व और एशियाई रिकॉर्ड है। चीन और दक्षिण कोरिया की टीमों ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किया।

उत्तराखंड के थराली में बादल फटा: 2 लापता, 80 घरों में मलबा; बाजार-हाईवे तबाह

देहरादून। उत्तराखंड एक बार फिर प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहा है। चमोली जिले के थराली तहसील में शुक्रवार देर रात बादल फटने की घटना हुई, जिसने पूरे इलाके में भारी तबाही मचा दी। रात लगभग 12:30 बजे से 1 बजे के बीच हुई इस घटना ने कई परिवारों को मुश्किलों में डाल दिया। थराली मुख्यालय से सटे सागवाड़ा और चेपड़ों गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

हादसे में 2 लोग लापता

चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने बताया कि बादल फटने से आसपास की नदियों का जलस्तर अचानक तेजी से बढ़ गया और देखते ही देखते गांवों में मलबा भरने लगा। चेपड़ों गांव में एक व्यक्ति लापता हो गया, जबकि सागवाड़ा गांव में एक घर पर मलबा गिरने से एक लड़की दब गई। प्रशासन ने राहत-बचाव दल मौके पर भेज दिए हैं और लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

80 घरों में मलबा, बाजार भी तबाह

दोनों गांवों में करीब 70-80 घरों में दो फीट तक मलबा भर गया है। गांव की गलियां कीचड़ और पत्थरों से पट गई हैं। कई दुकानों और बाजारों में रखे सामान बह गए हैं। इस हादसे में कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। थराली को जोड़ने वाला कर्णप्रयाग-ग्वालदम नेशनल हाईवे मिंग गधेरा के पास मलबा आने के कारण बंद हो गया, जिससे आवाजाही ठप हो गई।

लगातार आपदाओं की चपेट में उत्तराखंड

उत्तराखंड में पिछले 18 दिनों में यह दूसरी बार है जब बादल फटने की घटना हुई है। इससे पहले 5 अगस्त को धराली में बादल फटा था, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग लापता हुए थे। पहाड़ी राज्यों में मानसून हर साल भारी तबाही लेकर आता है, लेकिन इस बार हालात और भी ज्यादा गंभीर नजर आ रहे हैं।

मौसम विभाग का अलर्ट

इधर मौसम विभाग ने शनिवार को 19 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड में मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़, बारां, टोंक, सवाई माधोपुर, झालावाड़, कोटा, बूंदी, डूंगरपुर, भीलवाड़ा जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। यहां 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी है। राज्य में बारिश और भूस्खलन के चलते 347 सड़कें बंद हैं, जिनमें नेशनल हाईवे-305 भी शामिल है।

मानसून ने छीन ली 295 जिंदगियां

20 जून से मानसून शुरू होने के बाद से अब तक हिमाचल प्रदेश में 295 लोगों की मौत हो चुकी है। दर्जनों लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। जगह-जगह भूस्खलन और सड़कें टूटने से ग्रामीण इलाकों का संपर्क पूरी तरह से कट गया है।

राहत-बचाव कार्य जारी

थराली और आसपास के इलाकों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत-बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। पीड़ितों को खाने-पीने का सामान और अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में बादल फटना, भूस्खलन और अचानक बाढ़ अब आम बात बनते जा रहे हैं। विशेषज्ञ इसे जलवायु परिवर्तन और अनियोजित विकास कार्यों का नतीजा मानते हैं। थराली की घटना एक बार फिर चेतावनी देती है कि पहाड़ों में आपदा प्रबंधन को और मजबूत करने की जरूरत है। यदि समय रहते पुख्ता कदम नहीं उठाए गए तो हर साल हजारों परिवार ऐसी त्रासदियों का शिकार बनते रहेंगे।

भाजपा में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर मंथन तेज

-बिहार चुनाव से पहले बदलेगी पार्टी की लीडरशिप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में इन दिनों संगठनात्मक फेरबदल को लेकर तेज़ हलचल है। पार्टी नेतृत्व और संघ के बीच लगातार बैठकों और विचार-विमर्श का दौर चल रहा है। माना जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा एक नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकती है। मौजूदा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को पहले ही दो बार कार्यकाल विस्तार मिल चुका है और अब पार्टी नए चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतरना चाहती है।

क्यों बदलना चाहती है भाजपा नेतृत्व?

भाजपा की राजनीति में राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका सिर्फ संगठन संचालन तक सीमित नहीं होती, बल्कि चुनावी रणनीति, उम्मीदवार चयन और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने में भी अहम होती है। चूँकि 2025 की शुरुआत में बिहार विधानसभा चुनाव हैं, भाजपा चाहती है कि इस चुनाव का नेतृत्व नया अध्यक्ष करे ताकि संगठन को नई दिशा और ताक़त मिल सके। नड्डा के नेतृत्व में भाजपा ने कई अहम चुनाव लड़े, लेकिन अब पार्टी के भीतर और बाहर यह संदेश देना ज़रूरी हो गया है कि संगठन में नए नेतृत्व को भी अवसर मिले। यही वजह है कि केंद्रीय नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) मिलकर नए अध्यक्ष के चयन पर मंथन कर रहे हैं।

अध्यक्ष चयन में देरी क्यों?

NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक, नए अध्यक्ष के चयन में तीन बड़े कारणों से देरी हो रही है – वरिष्ठ नेताओं से परामर्श; भाजपा और संघ ने अब तक 100 से ज़्यादा वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की है। इनमें पार्टी के पूर्व अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और संवैधानिक पदों पर रहे बड़े नेता शामिल हैं। संगठन की परंपरा रही है कि किसी बड़े पद पर नियुक्ति से पहले व्यापक स्तर पर राय ली जाती है।

उपराष्ट्रपति चुनाव पर फोकस

हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव होना है। भाजपा इस चुनाव में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को उम्मीदवार बना सकती है। पार्टी का सारा ध्यान इस समय उन्हें बड़ी जीत दिलाने पर है। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा को थोड़ा टाल दिया गया है।

राज्यों में अधूरे संगठनात्मक चुनाव

भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी हो सकता है जब कम से कम 19 राज्यों की इकाइयों में निर्वाचित अध्यक्ष हों। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक समेत सात राज्यों में अध्यक्ष चुनाव होना बाकी है। जब तक ये प्रक्रिया पूरी नहीं होती, नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक नियुक्ति संभव नहीं है।

संभावित चेहरे और समीकरण

भाजपा में अध्यक्ष पद के लिए कई नामों पर चर्चा चल रही है। इनमें कुछ केंद्रीय मंत्रियों से लेकर प्रदेश संगठन के नेताओं तक के नाम शामिल हैं। पार्टी की कोशिश होगी कि ऐसा चेहरा लाया जाए जो संगठन और चुनाव, दोनों स्तर पर संतुलन बनाए रख सके। क्षेत्रीय संतुलन – बिहार चुनाव से पहले पूर्वी भारत को महत्व दिया जा सकता है। अनुभव और नई छवि – भाजपा ऐसा नेता चाहती है जो अनुभवी भी हो और युवाओं के बीच लोकप्रिय भी। संगठन और सरकार का तालमेल – नए अध्यक्ष का सरकार से तालमेल मज़बूत होना ज़रूरी है, ताकि केंद्रीय योजनाओं का प्रचार राज्यों तक ठीक तरह से पहुँच सके।

बिहार चुनाव का संदर्भ

बिहार विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बेहद अहम हैं। राज्य में जेडीयू और आरजेडी के बीच लगातार समीकरण बदल रहे हैं। नीतीश कुमार की राजनीतिक विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठ रहे हैं और आरजेडी महागठबंधन की अगुवाई करने की कोशिश में है। भाजपा चाहती है कि वह इन चुनावों में मजबूत संगठन और ताज़ा नेतृत्व के साथ उतरे, जिससे कार्यकर्ताओं में नया जोश भर सके।

भाजपा की संगठनात्मक परंपरा

भाजपा में अध्यक्ष का चुनाव हमेशा एक संतुलित प्रक्रिया का नतीजा होता है। पार्टी और संघ दोनों मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि अध्यक्ष ऐसा व्यक्ति हो जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हो और संगठन को चुनावी जीत दिलाने में सक्षम भी। इस बार भी यही प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अभी तक साफ संकेत यही हैं कि उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद अध्यक्ष पद पर निर्णय तेजी से लिया जाएगा। भाजपा चाहती है कि बिहार चुनाव से पहले नए अध्यक्ष के नेतृत्व में पूरे देश में संगठनात्मक संदेश जाए कि पार्टी में नई ऊर्जा और बदलाव की शुरुआत हो चुकी है।

अनिल अंबानी पर CBI का शिकंजा: 2000 करोड़ के बैंक फ्रॉड में FIR और छापेमारी

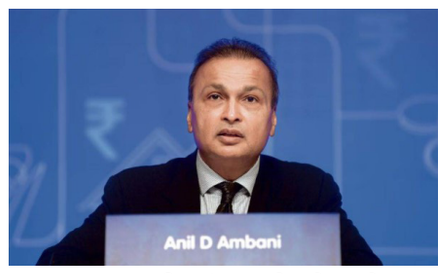

नई दिल्ली। देश के नामी उद्योगपति और रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी एक बार फिर कानून के घेरे में आ गए हैं। CBI (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) ने उनकी कंपनी रिलायंस कम्यूनिकेशंस (RCOM) के खिलाफ 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा के बैंक फ्रॉड के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। यही नहीं, शनिवार (23 अगस्त) को एजेंसी ने कंपनी के कई दफ्तरों और अनिल अंबानी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी भी की।

SBI से जुड़ा लोन फ्रॉड

यह पूरा मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) से जुड़े कर्ज धोखाधड़ी का है। CBI की दर्ज एफआईआर के मुताबिक, RCOM ने SBI से हजारों करोड़ का कर्ज लिया था, लेकिन रकम का सही इस्तेमाल नहीं किया गया और बाद में कंपनी इसे चुकाने में नाकाम रही। इस पर SBI ने मामला दर्ज कराया और जांच एजेंसियों से कार्रवाई की मांग की। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में दिए एक लिखित जवाब में भी यह स्वीकार किया था कि SBI ने CBI से इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। साथ ही, बैंक ने अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया कार्यवाही भी शुरू कर दी है, जो फिलहाल मुंबई की नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) में लंबित है।

इससे पहले ED की बड़ी कार्रवाई

अनिल अंबानी और उनके बिजनेस ग्रुप पर हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भी शिकंजा कसा था। 23 जुलाई को ED ने यस बैंक से लिए गए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर रेड की थी। इस मामले में भी आरोप है कि लोन की रकम को अन्य कंपनियों और फर्जी खातों के जरिए घुमाया गया और तय शर्तों के हिसाब से उसका इस्तेमाल नहीं किया गया।

दिवालिया और गिरता कारोबारी साम्राज्य

कभी देश के बड़े उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी का कारोबार पिछले एक दशक में तेजी से गिरा है। उनकी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस कम्यूनिकेशंस (RCOM) पर हजारों करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ा हुआ है और यह कंपनी पहले ही दिवालिया घोषित हो चुकी है। 2019 में खुद अनिल अंबानी ने अदालत में कहा था कि उनकी नेटवर्थ जीरो हो चुकी है और वे किसी भी कर्ज को चुकाने में सक्षम नहीं हैं।

आगे क्या?

CBI की छापेमारी और FIR दर्ज होने के बाद अब जांच एजेंसी RCOM और उससे जुड़ी अन्य कंपनियों के फाइनेंशियल लेन-देन की बारीकी से जांच करेगी। यदि अनियमितताओं और हेरफेर के सबूत मिलते हैं, तो अनिल अंबानी और उनके सहयोगियों पर गिरफ्तारी या अन्य सख्त कार्रवाई भी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर भारतीय बैंकिंग सिस्टम और बड़े कॉरपोरेट लोन के बीच पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। खासतौर पर ऐसे मामलों में जहां कर्ज की रकम हजारों करोड़ में होती है और उसकी वसूली बैंकों के लिए चुनौती बन जाती है।

मस्क-ट्रम्प विवाद से सुर्खियों में आए सर्जियो गोर, अब भारत में बने अमेरिकी राजदूत

वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति और राजनयिक हलकों में एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में आया है – सर्जियो गोर। शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त करने का ऐलान किया। इसके साथ ही उन्हें दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का विशेष दूत भी बनाया गया है। यह फैसला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि गोर लंबे समय से ट्रम्प परिवार के बेहद भरोसेमंद माने जाते हैं और उन्हें अमेरिकी मीडिया अक्सर "ट्रम्प का गेटकीपर" कहती है।

ट्रम्प और मस्क के बीच विवाद की जड़ बने गोर

सर्जियो गोर की सबसे बड़ी चर्चा तब हुई जब उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच विवाद खड़ा कर दिया। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोर के कुछ बयानों और कदमों से दोनों के बीच तनाव गहरा गया। मस्क ने तो नाराज़ होकर उन्हें "सांप" तक कह दिया था। हालांकि, इस विवाद के बावजूद गोर का ट्रम्प पर भरोसा कभी कम नहीं हुआ। इसके उलट, इस घटना ने उन्हें ट्रम्प के और करीब ला दिया। ट्रम्प को हमेशा से ऐसे लोगों की ज़रूरत रही है जो न केवल उनके राजनीतिक हितों की रक्षा कर सकें बल्कि उनकी निजी और सार्वजनिक छवि को भी संभाल सकें। गोर ने यह भूमिका बखूबी निभाई।

ट्रम्प के कार्यक्रमों और मुलाकातों के प्रबंधक

सर्जियो गोर का राजनीतिक करियर ट्रम्प परिवार से गहराई से जुड़ा हुआ है। वे ट्रम्प के निजी और राजनीतिक कार्यक्रमों के संचालन का अहम हिस्सा रहे हैं।

उनकी ज़िम्मेदारी में शामिल रहा कि – कौन ट्रम्प से मिल सकता है और कौन नहीं। किन कार्यक्रमों में ट्रम्प को शिरकत करनी चाहिए। राजनीतिक मंचों पर ट्रम्प की उपस्थिति और संदेश किस तरह जाए। यानी गोर वास्तव में वह "गेटकीपर" थे, जो ट्रम्प की पहुंच को नियंत्रित करते थे। इस भूमिका ने उन्हें न केवल ट्रम्प का विश्वासपात्र बनाया बल्कि अमेरिकी राजनीति के शक्ति-केंद्र में भी जगह दिलाई।

भारत में राजदूत बनने का महत्व

भारत और अमेरिका के बीच संबंध आज वैश्विक राजनीति में अहम मोड़ पर हैं। व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और इंडो-पैसिफिक रणनीति जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का सहयोग लगातार गहरा रहा है। ऐसे समय में सर्जियो गोर को भारत का राजदूत बनाना कई मायनों में रणनीतिक कदम है।

ट्रम्प की सीधी पकड़ – गोर के आने से यह संदेश जाता है कि भारत में अमेरिकी दूतावास पर ट्रम्प की सीधी नज़र और पकड़ रहेगी। भरोसे का दूत – ट्रम्प ने खुले तौर पर कहा है कि उन्हें गोर पर "पूरा भरोसा" है। यानी भारत से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों और संदेशों में गोर का दृष्टिकोण राष्ट्रपति के सबसे करीब होगा। व्यापार और निवेश – गोर की नियुक्ति ऐसे वक्त हुई है जब अमेरिका भारत को अपने सबसे बड़े रणनीतिक और आर्थिक साझेदार के रूप में देख रहा है। उम्मीद की जा सकती है कि वे दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार और तकनीकी साझेदारी को नई गति देंगे। क्षेत्रीय राजनीति – गोर को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का विशेष दूत भी बनाया गया है। इसका अर्थ है कि भारत के पड़ोसियों—पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल से जुड़े अमेरिकी रुख को तय करने में भी उनकी अहम भूमिका होगी।

अमेरिकी राजनीति में गोर की छवि

हालांकि गोर का नाम आम जनता में ज्यादा मशहूर नहीं है, लेकिन अमेरिकी राजनीति और मीडिया में उनकी एक खास पहचान है। उन्हें ट्रम्प परिवार का चौकीदार कहा जाता है। यह उपाधि उन्हें उनके उसी अंदाज़ की वजह से मिली है जिसमें वे ट्रम्प तक पहुंचने वाले हर शख्स और हर जानकारी पर पैनी नज़र रखते थे। अमेरिकी मीडिया के एक हिस्से का मानना है कि गोर का व्यक्तित्व काफी कठोर है। एलन मस्क जैसे प्रभावशाली व्यक्ति से टकराव में आ जाना भी इसी का नतीजा माना जाता है। लेकिन यही कठोरता ट्रम्प को भरोसेमंद लगती है।

ट्रम्प का बयान और संदेश

सर्जियो गोर की नियुक्ति पर खुशी जताते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा – "मुझे उन पर पूरा भरोसा है। वे भारत और इस क्षेत्र में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने में शानदार काम करेंगे।" यह बयान स्पष्ट करता है कि ट्रम्प गोर को केवल औपचारिक राजदूत की भूमिका में नहीं देख रहे, बल्कि उन्हें अपने रणनीतिक एजेंडे को आगे ले जाने का अहम माध्यम मानते हैं।

भारत के लिए संदेश

गोर की नियुक्ति भारत के लिए भी एक मजबूत संकेत है। इसका मतलब है कि वाशिंगटन चाहता है कि नई दिल्ली के साथ संबंधों को और ऊंचाई दी जाए। खासकर ऐसे वक्त में जब चीन के साथ भारत की तनातनी बढ़ी हुई है और अमेरिका इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत को अपनी सबसे बड़ी ताकत मान रहा है। सर्जियो गोर भले ही करियर डिप्लोमैट न हों, लेकिन उनकी नियुक्ति यह बताती है कि अमेरिका पारंपरिक कूटनीतिक ढांचे से अलग हटकर भी ऐसे लोगों को आगे ला सकता है जिन पर राष्ट्रपति का सीधा भरोसा हो। सर्जियो गोर की कहानी यह दिखाती है कि राजनीति में नज़दीकी और भरोसा अक्सर औपचारिक अनुभव से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं। एक ऐसा शख्स, जो कभी ट्रम्प की मुलाकातों और कार्यक्रमों का मैनेजर था, अब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक – भारत का अमेरिकी राजदूत है। उनकी नियुक्ति भारत-अमेरिका संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

भारत-अमेरिका रिश्तों पर जयशंकर का बयान: रूसी तेल और टैरिफ विवाद पर दो टूक

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होती है और कोई भी देश उसे अपनी सुविधा के अनुसार नियंत्रित नहीं कर सकता। नई दिल्ली में आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में शनिवार को उन्होंने कई अहम मुद्दों पर खुलकर बात की। इनमें प्रमुख रहे – भारत-अमेरिका व्यापार विवाद, रूस से तेल खरीद, और भारत-पाक के बीच संभावित मध्यस्थता। जयशंकर के बयानों ने न केवल भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की झलक दी बल्कि यह संदेश भी दिया कि नई दिल्ली किसी भी वैश्विक दबाव के आगे झुकने वाली नहीं है।

भारत-अमेरिका रिश्तों में "कट्टी" नहीं

विदेश मंत्री ने सबसे पहले यह स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में कोई "कट्टी" (झगड़ा) नहीं है। पिछले कुछ महीनों से अमेरिकी प्रशासन की तरफ से कुछ बयान आए थे जिनमें भारत के टैरिफ और व्यापारिक नीतियों को लेकर असहमति झलकी थी। इस पर जयशंकर ने कहा – "भारत और अमेरिका के बीच बातचीत जारी है, असहमति होना सामान्य है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि दोनों देशों के बीच रिश्ते खराब हैं। भारत अपने किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखकर ही व्यापारिक फैसले करता है।" उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत की प्राथमिकता अपने घरेलू हित हैं, चाहे वह कृषि क्षेत्र हो या छोटे उद्योग।

रूसी तेल खरीद पर दो टूक जवाब

पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका और यूरोप, ने बार-बार भारत से रूस से तेल खरीदने पर सवाल उठाए हैं। लेकिन जयशंकर ने इस मंच से दो टूक कहा कि भारत किसी भी देश को मजबूर नहीं कर रहा कि वह भारत से तेल खरीदे। उन्होंने कहा – "अगर किसी देश को भारत से तेल खरीदने में समस्या है तो वह न खरीदे। हम किसी को बाध्य नहीं कर रहे। लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए रूस सहित किसी भी देश से ऊर्जा खरीदने के लिए स्वतंत्र है।" भारत ने पिछले कुछ वर्षों में रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा है, क्योंकि रूस ने डिस्काउंट पर सप्लाई दी। इससे भारत को न केवल ऊर्जा सुरक्षा मिली बल्कि महंगाई पर भी नियंत्रण रहा। जयशंकर का यह बयान इस बात का इशारा है कि भारत अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद ऊर्जा आयात पर अपने फैसले खुद करेगा।

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से टैरिफ और व्यापार नियमों को लेकर खींचतान चल रही है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार को अधिक उदार बनाए और अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ को घटाए। लेकिन भारत का रुख साफ है कि छोटे किसानों, घरेलू उद्योगों और उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जयशंकर ने कहा – "भारत कोई भी नीति घरेलू हितों को ध्यान में रखकर ही तय करेगा। हमें सुनिश्चित करना होगा कि हमारी नीतियों से छोटे किसानों और उत्पादकों को नुकसान न हो।" इससे संकेत मिलता है कि भारत अमेरिकी दबाव में आकर अपनी टैरिफ नीति नहीं बदलेगा, बल्कि आपसी बातचीत से ही समाधान तलाशा जाएगा।

भारत-पाक मध्यस्थता पर रुख

फोरम में पूछे गए एक सवाल पर विदेश मंत्री ने भारत-पाक रिश्तों में किसी तीसरे देश की मध्यस्थता को पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने साफ कहा कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को सीधे तौर पर सुलझाना चाहता है और इसमें किसी बाहरी शक्ति की जरूरत नहीं है। यह संदेश स्पष्ट है कि चाहे अमेरिका हो या कोई और वैश्विक ताकत, भारत-पाक संबंधों में मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी।

भारत की "राष्ट्रीय हित" पर आधारित विदेश नीति

जयशंकर के बयानों से यह साफ झलकता है कि भारत की विदेश नीति आज आत्मविश्वासी और दृढ़ है। वह किसी भी देश के दबाव में आए बिना अपने राष्ट्रीय हित (National Interest) को प्राथमिकता देती है। ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत रूस से तेल खरीद जारी रखेगा। व्यापार नीति में किसानों और छोटे उत्पादकों की रक्षा की जाएगी। अमेरिका सहित सभी बड़े देशों के साथ संवाद बना रहेगा, लेकिन किसी के दबाव में झुकाव नहीं होगा। पड़ोसी देशों के साथ विवादों में भारत किसी तीसरे पक्ष की दखलअंदाजी स्वीकार नहीं करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के इन बयानों ने भारत की कूटनीति की मौजूदा दिशा को स्पष्ट कर दिया है। भारत अब "रक्षात्मक" नहीं बल्कि "आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी" विदेश नीति अपना रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ मतभेद होने के बावजूद भारत बातचीत जारी रखेगा, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। रूसी तेल खरीद पर उनका जवाब भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का सबसे मजबूत उदाहरण है। संक्षेप में, जयशंकर ने इस मंच से यह संदेश दिया कि भारत अब वैश्विक राजनीति में "अनुयायी" नहीं बल्कि "निर्णय लेने वाला" देश है।

पंजाब में LPG टैंकर ब्लास्ट: 3-4 की मौत, 30 लोग झुलसे

-15 दुकानें और 4 घर जलकर राख

होशियारपुर\पंजाब। पंजाब के होशियारपुर जिले के मंडियाला गांव के पास शुक्रवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। रात करीब 10:30 बजे LPG से भरे एक टैंकर में ब्लास्ट हो गया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा तब हुआ जब एक मिनी ट्रक ने गैस से भरे टैंकर को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गई। देखते ही देखते गैस का रिसाव होने लगा और आग ने आसपास की दुकानों व मकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

घर-दुकानें राख, इलाके में दहशत

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयानक था कि आग की लपटें आसमान तक उठ रही थीं। आसपास के लोग जान बचाने के लिए भागे, लेकिन कई लोग लपटों में घिर गए। आग की चपेट में करीब 15 दुकानें और 4 घर पूरी तरह जल गए। अचानक हुए धमाके से आस-पास के मकानों की खिड़कियों और शीशों तक में दरारें आ गईं। ग्रामीणों का कहना है कि आग फैलने की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

मौत और घायल

एसपी मेजर सिंह ने जानकारी दी कि हादसे में 3 से 4 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि करीब 30 लोग बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तुरंत होशियारपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ लोगों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, क्योंकि वे 30% से 80% तक झुलस चुके हैं। डॉक्टरों ने गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए जालंधर और चंडीगढ़ रेफर करने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

FIR दर्ज, गैरकानूनी गैस भरने पर जांच

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में करने की कोशिश की। FIR दर्ज कर ली गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस टैंकर में गैस गैरकानूनी तरीके से भरी जा रही थी, इसी कारण हादसा हुआ। एसपी ने कहा कि इस एंगल से भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग ने मिलकर आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है, लेकिन मलबा ठंडा करने का काम जारी है।

हाईवे बंद, धरने पर बैठे लोग

इस हादसे के चलते होशियारपुर-जालंधर नेशनल हाईवे पूरी तरह बंद हो गया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और प्रशासन के खिलाफ नाराज़गी जताते हुए धरने पर बैठ गए। लोगों की मांग है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा दिया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। कई ग्रामीणों का कहना है कि ट्रांसपोर्ट और गैस सप्लाई करने वाली कंपनियां सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करतीं, जिससे इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं।

प्रशासन की चुनौती

प्रशासन के लिए इस समय सबसे बड़ी चुनौती आग पर पूरी तरह काबू पाने और सड़क को जल्दी से जल्दी खोलने की है। हाईवे बंद होने के कारण जालंधर और होशियारपुर के बीच यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। कई वाहन लंबे समय से जाम में फंसे हैं। जिला प्रशासन ने मौके पर अधिकारियों की टीम तैनात कर दी है ताकि स्थिति सामान्य हो सके। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह गैस ट्रांसपोर्टेशन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल भी खड़ा करता है। ग्रामीणों ने दावा किया है कि LPG की सप्लाई के दौरान सुरक्षा इंतज़ाम बेहद लापरवाह रहते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,